इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 अंक - 272 राजनांदगांव, गुरूवार 20 अगस्त 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

सीडब्ल्यूसी बैठकः वंदे मातरम पर नहीं बदला कांग्रेस का रुख, पहले दो पद गाएगी; चंदा चोरी पर देशभर में प्रदर्शन का ऐलान

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में वंदे मातरम को लेकर पार्टी ने अपना पुराना रुख साफ कर दिया। कांग्रेस ने 1937 के फैसले को बरकरार रखते हुए तय किया कि पार्टी के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत के सिर्फ पहले दो पद ही गाए जाएंगे। वहीं, बैठक में राम मंदिर चंदे के मुद्दे को लेकर भी बड़ा फैसला हुआ और इसे देशभर में जमीनी स्तर तक ले जाने की रणनीति तय की गई।

1937 में कांग्रेस ने क्या फैसला लिया था?

सूत्रों के मुताबिक, CWC की बैठक में वंदे मातरम के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस दौरान कई नेताओं ने 1937 में अपनाए गए पार्टी के रुख को दोहराया। कांग्रेस के अनुसार, उसका फैसला अक्टूबर 1937 में CWC की ओर से पारित प्रस्ताव पर आधारित है। उस समय पार्टी ने राष्ट्रीय सभाओं में वंदे मातरम के सिर्फ पहले दो पद गाने का निर्णय लिया था।

राम मंदिर चंदा चोरीः लोगों की भावनाओं से छल हुआ है

सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने राम मंदिर से जुड़े 'चंदा चोरी' के मुद्दे को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का इस्तेमाल लोगों को ध्रुवीकृत करने वाले लोग अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। वेणुगोपाल के मुताबिक, कांग्रेस इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाएगी। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस समितियों को गांव और पंचायत स्तर पर इसे उठाने का निर्देश दिया गया है। वेणुगोपाल के मुताबिक, सीडब्ल्यूसी ने प्रदेश कांग्रेस समितियों को राम मंदिर चंदे के मुद्दे पर पूरे देश में प्रदर्शन करने का निर्देश दिया है।

सीडब्ल्यूसी बैठक में क्या हुआ?

नई दिल्ली के इंदिरा भवन में हुई सीडब्ल्यूसी बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। बैठक में पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बैठक में 88 नेताओं ने हिस्सा लिया, जबकि 33 नेताओं ने चर्चा में अपनी बात रखी। बैठक में कार्यसमिति के सदस्यों के साथ स्थायी और विशेष आमंत्रित सदस्य तथा कांग्रेस के चार मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। सीडब्ल्यूसी बैठक में वरिष्ठ नेताओं के अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। इनमें तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी, केरल के वी.डी. सतीशन, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और कर्नाटक के डी.के. शिवकुमार शामिल रहे। वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक में पेपर लीक और इसके *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 13,000 करोड़ से अधिक की मंजूरी; मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। देश के आर्थिक विकास को गति देने और पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे में बड़ा निवेश किया है। लॉजिस्टिक्स लागत को घटाने, औद्योगिक कॉरिडोर को बंदरगाहों से जोड़ने और यात्री ट्रेनों के समयबद्ध संचालन के लिए रेल नेटवर्क के मल्टी-ट्रैकिंग और आधुनिक राजमार्गों के विस्तार की आवश्यकता लंबे समय से थी। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्वी भारत, दक्षिणी राज्यों और भारत-नेपाल सीमावर्ती इलाकों के लिए कई बड़ी इंफ्रा परियोजनाओं पर अंतिम मुहर लगाई है।

ओडिशा, बंगाल और दक्षिण भारत में तीसरी और चौथी रेल लाइन की मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रेल नेटवर्क के विस्तार और भारी ट्रैफिक वाले रेल मार्गों पर कंजेशन घटाने के लिए प्रमुख मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इसके तहत पश्चिम बंगाल और ओडिशा के बीच खड़गपुर-भद्रक (रणिताल) चौथी लाइन परियोजना 3,352 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगी। इसी क्रम में भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन के विस्तार पर 1,583 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए गुम्मडिपूंडी-गुडूर के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण पर 2,229 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

पारादीप पोर्ट कनेक्टिविटी और माल ढुलाई क्षमता में बड़ा इजाफा

ओडिशा के प्रमुख औद्योगिक और तटीय क्षेत्रों को मजबूती देने के लिए कटक-पारादीप रेल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना को 2,286 करोड़ रुपये की लागत से *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

साइबर अपराधियों पर शिकंजे की तैयारी : छत्तीसगढ़ में बना एस4सी, दो वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर। राज्य में बढ़ती साइबर अपराध की घटनाओं को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने साइबर अपराधों की बेहतर निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के लिए स्टेट साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (एस4सी) का गठन किया है। इसके साथ ही राज्य स्तर पर साइबर क्राइम से जुड़े मामलों के लिए सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट की व्यवस्था भी की गई है।

गृह विभाग की ओर से 17 अगस्त 2026 को जारी आदेश के अनुसार, एस4सी पुलिस मुख्यालय की तकनीकी सेवाएं शाखा के अधीन कार्य करेगा। इसका उद्देश्य राज्य में साइबर अपराधों की निगरानी, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी प्रवर्तन सुनिश्चित करना है। आदेश के तहत एस4सी के संचालन के लिए दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन दो अफसरों को मिली जिम्मेदारी

वहीं प्रशांत कुमार अग्रवाल (IPS 2008) को पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ के वर्तमान पद से पुलिस महानिरीक्षक, एस4सी PHQ की जिम्मेदारी दी गई है।

इसी तरह गिरिजा शंकर जायसवाल (IPS 2010), जो वर्तमान में उप पुलिस महानिरीक्षक (तकनीकी सेवा), पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ के पद पर पदस्थ हैं, उन्हें उप पुलिस महानिरीक्षक, एस4सी, PHQ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टर्स की हड़ताल खत्मः स्वास्थ्य मंत्री ने स्टाइपेंड बढ़ाकर 25 हजार करने का किया ऐलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत MBBS इंटर्न डॉक्टरों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब इंटर्न डॉक्टरों को मौजूदा 15,900 रुपये की जगह 25,000 रुपये मासिक स्टाइपेंड मिलेगा। स्टाइपेंड में यह बढ़ोतरी सितंबर 2026 से लागू होने की उम्मीद है। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर शासकीय मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मुलाकात की। बैठक में मंत्री ने स्टाइपेंड बढ़ाने का आश्वासन दिया। आईएमए-एमएसएन छत्तीसगढ़ के प्रदेश संयोजक शाहदिल खुसरू ने बताया कि मंत्री की ओर से स्पष्ट किया गया है कि आवश्यक फाइलिंग प्रक्रिया पूरी होते ही सितंबर से बढ़ा हुआ स्टाइपेंड इंटर्न डॉक्टरों को मिलना शुरू हो जाएगा।

15,900 से बढ़कर 25 हजार होगा स्टाइपेंड

वर्तमान में MBBS इंटर्न डॉक्टरों को 15,900 रुपये मासिक स्टाइपेंड दिया जा रहा है। प्रस्तावित बढ़ोतरी के बाद उन्हें हर महीने 25,000 रुपये मिलेंगे। यानी इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड में 9,100 रुपये प्रतिमाह की वृद्धि होगी।

30 तक आंदोलन स्थगित

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर डॉक्टरों की ओर से आंदोलन की तैयारी की जा रही थी। स्वास्थ्य मंत्री से मिले आश्वासन के बाद इंटर्न डॉक्टरों ने 30 अगस्त तक आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया है।

तेजस्वी का राजभवन मार्च : बैरिकेडिंग तोड़ी, वाटर कैनन चला, हिरासत में लिए गए, राज्यपाल से नहीं हुई मुलाकात

पटना। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग के आरोप को लेकर बुधवार को तेजस्वी यादव सड़क पर उतरे. आरजेडी ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला. करीब 5 किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए. मार्च के दौरान कई जगह पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई. डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग तोड़ी गई. इसके बाद इनकम टैक्स चौराहे के पास पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया.

जेपी गोलंबर से शुरू हुआ मार्च

तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजभवन मार्च की शुरुआत जेपी गोलंबर से हुई. उनके साथ आरजेडी सांसद मीसा भारती समेत पार्टी के कई नेता और हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे. मार्च में सीवान की घटना को लेकर सरकार से जवाब मांगा गया. तेजस्वी ने छात्रों पर कथित फायरिंग के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की. उन्होंने कहा कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा.

डाकबंगला पर बैरिकेडिंग तोड़ी

मार्च आगे बढ़ते हुए डाकबंगला चौराहे तक पहुंचा. यहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी. तेजस्वी यादव और उनके समर्थक बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ गए. इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई. कुछ कार्यकर्ताओं ने पुलिस की तरफ पानी की बोतलें फेंकीं. वहीं, कुछ लोग लकड़ी की एके-47 लेकर मार्च में पहुंचे थे. *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

जम्मू-कश्मीर भारत का बेहद अहम हिस्सा; सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

आर्टिकल 370 हटने के बाद यूएस डिप्लोमेट का पहला दौरा, पाकिस्तान को बयान पर एतराज

नई दिल्ली। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण और केंद्र शासित प्रदेश में चुनी हुई सरकार के गठन के बाद कश्मीर घाटी में वैश्विक कूटनीति की दृष्टि से बड़े बदलाव देखे जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पड़ोसी देशों द्वारा फैलाए जाने वाले प्रोपेगैंडा के बीच किसी शीर्ष विदेशी राजनयिक का श्रीनगर पहुंचना और वहां के जमीनी हालात का प्रत्यक्ष अनुभव करना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के दो दिवसीय दौरे ने घाटी में सामान्य होते जनजीवन और वैश्विक स्वीकार्यता पर मुहर लगाई है।

जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा, सीएम उमर अब्दुल्ला से हुई द्विपक्षीय चर्चा

श्रीनगर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से औपचारिक मुलाकात की। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए सर्जियो गोर ने स्पष्ट रूप से कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है और यहां आना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि बैठक बेहद सकारात्मक रही, जिसमें क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने और सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़े कई अहम पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

डल झील में शिकारे की सैर और घाटी की खूबसूरती के मुरीद हुए राजदूत

अपने दौरे के दौरान अमेरिकी राजदूत ने श्रीनगर की प्रसिद्ध डल झील में शिकारे की सवारी का आनंद लिया और ऐतिहासिक लाल चौक व स्थानीय बाजारों का भी जायजा लिया। उन्होंने कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय संस्कृति और कश्मीरी अवाम की मेहमाननवाजी की खुले दिल से तारीफ की। राजदूत ने कहा कि घाटी में शांति, स्थिरता और सुरक्षा का माहौल पूरी तरह कायम है, जिससे यहां अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों और व्यापारिक निवेश के लिए नए रास्ते खुलेंगे। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

गडकरी ने अपने ही अधिकारियों पर उठाए सवाल, NHAI ऑफिसर्स और ठेकेदारों को बताया खिलाड़ी

नई दिल्ली। हाईवे निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों के बीच हमेशा मुखर अंदाज में अपनी बात रखने वाले केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक बार फिर बातों-बातों में अपने मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के अधिकारियों की कार्यशैली पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिए। गडकरी ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में टेंडर के लिए अधिकारी जैसी चाहें तकनीकी और वित्तीय योग्यता तय कर सकते हैं, इसलिए एक स्थायी नीति बनाने की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तकनीकी और वित्तीय योग्यता निजी ठेकेदार ही तय करते हैं, क्योंकि वहां संबंध बड़े मधुर होते हैं। क्या लिखकर किसको योग्य और किसको अयोग्य घोषित करना है, इस खेल में वह ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी होते हैं। चूंकि, बार-बार गडकरी ने एनएचएआइ के टेंडर का ही उल्लेख किया, इसलिए माना जा रहा है कि मंत्री का इशारा एनएचएआइ और ठेकेदारों की मिलीभगत की ओर ही था। वैसे उन्होंने यह नहीं बताया कि नीतियां कौन बनाएगा। सरकार भी उनकी है और वह खुद मंत्री। फिक्की द्वारा बुधवार को आयोजित टनल एंड ब्रिज कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपनी बात ही मंत्रालय के अधिकारियों को निशाने पर लेते हुए शुरू की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य है कि नीतियां बनाने वाले यहां नहीं हैं। उन्हें भी बुलाइए, क्योंकि सरकार में काम करने वालों को लगता है कि उन्हें सब पता है। उन्होंने महाराष्ट्र के एक प्रोजेक्ट का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां ठेकेदार ने निर्धारित निविदा मूल्य से काफी कम दर पर टेंडर लिया, फिर उससे बिलो पर सब-कांट्रैक्ट कर दिया। उस ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा है, लेकिन इसे मंत्री ने बड़ी समस्या बताया कि कई लेयर में सब-कांट्रैक्ट दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह आदेश जारी करने जा रहे *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

झारखंड में 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द होने पर भड़के सफल अभ्यर्थी; रांची सचिवालय में घुसकर किया घेराव

नई दिल्ली। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित धांधली को लेकर लंबे समय से युवाओं का आक्रोश देखने को मिल रहा था। करीब 26 दिनों तक चले छात्र आंदोलन के बाद हेमंत सोरेन सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेष कैबिनेट बैठक में आउटसोर्स एजेंसी टीडीपीएल की संलिप्तता वाली परीक्षाओं पर बड़ा निर्णय लिया। सरकार ने 22 भर्ती परीक्षाओं को तत्काल प्रभाव से रद्द करने और वर्ष 2014 से अब तक आयोजित 23 अन्य परीक्षाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी। हालांकि, सरकार के इस कड़े कदम के बाद उन हजारों अभ्यर्थियों के सामने असमंजस की स्थिति बन गई है, जो इन परीक्षाओं में सफल होकर विभिन्न विभागों में सेवा दे रहे थे।

सचिवालय परिसर में घुसे चयनित अभ्यर्थी, आदेश वापसी की मांग पर अड़े

कैबिनेट के फैसले के बाद मंगलवार देर रात अधिसूचना जारी होते ही चयनित अभ्यर्थी आक्रोशित हो गए। बुधवार को बड़ी संख्या में सफल अभ्यर्थी विरोध-प्रदर्शन करते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे राज्य सचिवालय परिसर में दाखिल हो गए। सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर तैनात चंदन कुमार और श्याम सुंदर मंडल जैसे प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे कई दिनों से शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। अभ्यर्थियों ने साफ किया कि उन्होंने कड़ी मेहनत और मेरिट के आधार पर नौकरी हासिल की है, किसी भी एजेंसी की अनियमितता की सजा चयनित युवाओं को नहीं दी जा सकती।

सचिवालय में बीएनएस धारा 163 लागू, पुलिस ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

अभ्यर्थियों के अचानक सचिवालय में प्रवेश करने से प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। हटिया के डीएसपी नीरज कुमार ने लाउडस्पीकर *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

भारत के 326 सांसदों और 14 मुख्यमंत्रियों के विरुद्ध क्रिमिनल केस हैं

राजनीति के अपराधीकरण संबंधी सुप्रीम कोर्ट को सौंपे गई रिपोर्ट से विस्फोट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत किए गए राजनीति के अपराधीकरण बाबत रिपोर्ट में कहा गया है कि लोकसभा के 543 संसद सदस्यों में से 251 सांसद और राज्यसभा के 233 सदस्यों में से 75 सांसदों पर फौजदारी याने क्रिमिनल केसेज हैं। सांसदों और विधायकों के मामलों का त्वरित निराकरण करने की मांग करती पी.आई.एल. में कोर्ट के सलाहकार के रूप में नियुक्त हुवे वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल किए गए शपथ पत्र में कहा गया है कि सांसदों और विधायकों के सामने 4000 से अधिक फौजदारी केस हैं।

शपथ पत्र में कहा गया है कि 28 राज्यों में 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर फौजदारी केस होना बताया है। जिसमें गंभीर केस शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी के विरूद्ध 89 केस हैं। उसके बाद, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के विरूद्ध 29 केस हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के विरूद्ध 19 केस हैं। विजय हंसारिया ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि त्वरित ट्रायल सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष की अदालत और उच्च न्यायालयों के द्वारा केसों का निरीक्षण करने के बावजुद 2018 से सांसदों और विधायकों के विरूद्ध पेंडिग फौजदारी केसों की संख्या लगभग समान स्तर की है। विभिन्न उच्च न्यायालयों के डाटा्ज एकत्रित करने, कोर्ट के सलाहकार ने सूचना दी थी कि 2025 में 1243 फौजदारी केस का निर्णय लिया गया था। जब कि, उसी वर्ष में 1050 नए केस दर्ज किए गए थे। उन्होने कोर्ट में जानकारी दी थी कि भूतपूर्व और वर्तमान सांसदों व विधायकों के सामने पेन्डिग केसों की कुल संख्या 4192 है। लोकसभा में 543 सांसदों में से, 251 सदस्यों के विरूद्ध फौजदारी केस हैं। जिसमें से 170 केस गंभीर फौजदारी केस हैं। जहां पांच से और उससे अधिक कैद के दण्ड का प्रावधान है।

राज्यसभा में, 233 सदस्यों में से, 75 (33 प्रतिशत) सदस्यों के विरूद्ध फौजदारी केस हैं, जिनमें से 40 (18 प्रतिशत) केसेज गंभीर फौजदारी केस हैं। जिसमें 5 सालों से अधिक कैद का दंडनीय प्रावधान है। ऐसा ऐसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स रिपोर्ट के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट का उल्लेख करते समय शपथनामा में बताया गया है। वकील ने उत्तरप्रदेश के सिवाय विविध उच्च न्यायालयों के द्वारा दर्ज की गई रिपोर्ट का विश्लेषण भी दर्ज किया था। क्यों कि, इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है। एडवोकेट सिन्हा कालिता के द्वारा दर्ज किए गए शपथनामें के अनुसार केरल के 20 सांसदों में से 19 (95 प्रतिशत) पर फौजदारी आरोप थे और उनमें से 11 पर गंभीर केस हैं। तेलंगाना के 17 सांसदों में से 14 पर फौजदारी (82 प्रतिशत) आरोप हैं, उड़ीसा के 76 में 16 प्रतिशत पर फौजदारी 82 प्रतिशत, 21 झारखंड 71 प्रतिशत (14 में से 10), तमिलनाडू 67प्रतिशत (39 में से 26), अन्य मुख्य राज्यों में उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश के लगभग 50 प्रतिशत सांसदों पर फौजदारी केस हैं।

हरियाणा (10 सांसद) और छत्तीसगढ़ (11 सांसद) में से केवल एक-एक सांसद फौजदारी केस का सामना कर रहे हैं। पंजाब में 13 में से दो, आसाम में 14 में से तीन, दिल्ली में सात में से तीन, राजस्थान के 25 में से चार, गुजरात में 25 में से पांच और मध्यप्रदेश में 29 में से नौ सांसद पर भी फौजदारी केस दर्ज हैं।

जिले में मानसून मेहरबान : लगी सावन की झड़ी, धान की फसल को मिली संजीवनी, लबालब हुए जलाशय

राजनांदगांव (दावा)। जिले में पिछले सप्ताह भर से जारी रुक-रुक कर और बीते दो-तीन दिनों से सावन की झड़ी की तरह हो रही हल्की व मध्यम स्तर की बारिश से मौसम पूरी तरह खुशनुमा हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब (डिप्रेशन) के असर से हो रही इस बारिश ने एक ओर जहां खेतों में धान की फसल को नई संजीवनी दी है। वहीं जिले के प्रमुख जलाशय भी लबालब हो गए हैं। जिले के लगभग डेढ़ लाख से अधिक किसान सावन की इस बारिश से राहत महसूस कर रहे हैं। हरेली के बाद बचे-खुचे बियासी और निंदाई-गुड़ाई के कार्यों को पूरा करने में किसान जुट गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सावन की झड़ी का पानी धान के पौधों के विकास (फुर्ती) और बढ़वार के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

एक-दो दिन में थमेगी बारिश, अगस्त के अंत में सक्रिय होगा नया सिस्टम

अगस्त के अंतिम सप्ताह में बनेगा एक और सिस्टम : मौसम विज्ञानी

मौसम विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया कि अगस्त माह में चार चरणों में वर्षा तंत्र सक्रिय होता है। वर्तमान में हो रही वर्षा उत्तर बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का परिणाम है, जो आगामी एक-दो दिनों में धीमा पड़ जाएगा। इसके बाद अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में एक और मजबूत मानसूनी सिस्टम बनने की संभावना है, जो सीजन के मानसूनी कोटे को पूरा करेगा। इसके पश्चात सितंबर माह में वर्षा की गतिविधि काफी कम रहने का अनुमान है।

जिले में अब तक 625 मिमी औसत बारिश दर्ज

चालू मानसून सत्र में 1 जून से अब तक जिले की सभी तहसीलों में कुल 4333.2 मिमी और औसत 625 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य वर्षा के लगभग बराबर (मात्र 1 प्रतिशत पीछे) है। कुमर्दा में 750.9 मिमी, राजनांदगांव में 737.2 मिमी, लालबहादुर नगर में 700.5 मिमी, डोंगरगढ़ में 628 मिमी, छुरिया में 597.5 मिमी, डोंगरगांव में 551.1 मिमी तथा घुमका में 368 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पड़ोसी जिले केसीजी (खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) में 515 मिमी और एमएमसी (मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी) में 615 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

जलाशयों से छोड़ा गया 5500 क्यूसेक पानी

लगातार हो रही बारिश से जिले के जलस्रोतों में तेजी से जलभराव हुआ है। मोंगरा जलाशय 80त्र, सूखा नाला बैराज 70 प्रतिशत, घुमरिया 80 प्रतिशत तथा खातूटोला बैराज 70 प्रतिशत तक भर चुके हैं। जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न जलाशयों व बैराजों से लगभग 5500 क्यूसेक पानी नदी-नालों में छोड़ा गया है। जलाशयों के भरने से आगामी रबी और खरीफ दोनों फसलों के लिए सिंचाई की चिंताएं दूर हो गई हैं।

बिना जाने ही किसी के बारे में धारणा न बनायें - श्रेयांशप्रभ जी

हमारी गलत धारणा किसी को बर्बाद भी कर सकती है

राजनांदगांव (दावा)। परमपूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जी म.सा.खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर ने आज यहां कहा कि हम बिना जाने, बिना सोचे किसी के बारे में कुछ भी धारणा बना लेते हैं और निर्णय भी ले लेते हैं। इतना ही नहीं हम उसके बारे में मुफ्त में प्रचार भी शुरू कर देते हैं। हम यह भी नहीं सोचते कि हमारा यह प्रचार उसकी जिंदगी बर्बाद भी कर सकता है।

जैन बगीचा स्थित ज्ञानवल्लभ उपाश्रय भवन में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में उन्होंने कहा कि हम किसी व्यक्ति को बिना जाने, बिना पहचाने उसकी तस्वीर अपने मन में बना लेते हैं कि अमुक व्यक्ति ऐसा है, अमुक व्यक्ति वैसा है, इतना ही नहीं हम उसे मुफ्त में बांटते फिरते हैं। उन्होंने कहा कि क्या पता आपका यह कार्य किसी के लिए भारी मुसीबत का काम बन जाए और उसे बर्बाद कर दे। उन्होंने कहा कि हम देखते हैं और फैसला ले लेते हैं! कोर्ट में भी काफी सोच समझकर फैसला लिया जाता है। जिसके कारण समय लगता है और हम है कि देखते ही फैसला लेते हैं! मुनि श्री ने कहा कि सिर्फ देखकर ही फैसला ना ले लें। किसी के बारे में अच्छे से जान ले, फिर मन में तस्वीर बनायें। किंतु उसका प्रचार-प्रसार ना करें। उन्होंने कहा कि बुराई तो क्या अच्छाई भी ना फैलाएं। खबर फैलने के बाद सामने वाले व्यक्ति में परिवर्तन आने लगता है और इससे कषाय उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि आपको यदि सामने वाले के बारे में किसी को कुछ कहना ही है तो यह कहे कि जितना मैं जानता हूं, वह ऐसा है। इससे सामने वाले के मन में कोई धारणा भी नहीं बनेगी और वह यह समझ जाएगा कि जितना हुआ जानता है उतना ही उसने बताया है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के आयोजन पर पदाधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव का जताया आभार

हॉकी खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा प्लेटफॉर्म, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया प्रारंभ

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित होने जा रही 'छत्तीसगढ़ हॉकी लीग' को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो गई हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन की रूपरेखा तैयार होने पर छत्तीसगढ़ हॉकी के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने कहा कि प्रदेश में पहली बार हॉकी लीग का आयोजन होना राज्य के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस लीग के माध्यम से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव मिलेगा। जिससे उनके लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने बताया कि लीग के लिए खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके जरिए राज्य के सभी जिलों, विशेषकर ग्रामीण व दूरस्थ अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने और जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

हॉकी के विकास में साबित होगी मील का पत्थर

पदाधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की हॉकी परंपरा समृद्ध और गौरवशाली रही है। राज्य सरकार के सहयोग से शुरू हो रही यह लीग प्रदेश में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ युवाओं को हॉकी के प्रति आकर्षित करेगी और खेल अधोसंरचना व अवसरों का विस्तार करेगी। उपमुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज़ अंसारी, महासचिव मनीष श्रीवास्तव, जिला हॉकी संघ राजनांदगांव के सचिव शिवनारायण धकेता, भूषण साव, नीलमचंद जैन, अनुराज श्रीवास्तव, अमिताभ मानिकपुरी, राकेश टोप्पो, रश्मि संध्या एक्का एवं धनीराम यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

// ईशतहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **खूबलाल कोरेटी पिता-खोरबाहरा कोरेटी** जाति-गोंड़ निवासी ग्राम जीर्राटोला, गोपलिनचुवा नं.119 वार्ड नं. 08 तह. अं.चौकी जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **केयूएमकेयूएम KUMKUM** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्री के नाम से जारी जन्मप्रमाण पत्र व अन्य कागजातों में नाम के स्थान **कुमकुम KUMKUM** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **केयूएमकेयूएम KUMKUM** अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर **कुमकुम KUMKUM** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईशतहार के सबंध में किसी भी शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईशतहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईशतहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थानः-अं. चौकी
दिनांकः-19/08/2026

आवेदक
खूबलाल कोरेटी
निवासी ग्राम जीर्राटोला, गोपलिनचुवा
तह. अं. चौकी जिला-मो.मा.अं. चौकी छ.ग.

सुकुलदैहान में 'सुरक्षा चक्र' के तहत निःशुल्क कैंसर जांच व परामर्श शिविर, 49 ग्रामीणों का हुआ परीक्षण

- जिला प्रशासन और बाल्को मेडिकल सेंटर नवा रायपुर का संयुक्त प्रयास
- मुख, स्तन एवं गर्भाशय कैंसर की हुई गहन जांच, 19 महिलाओं की मैमोग्राफी

राजनांदगांव (दावा)। जिला प्रशासन राजनांदगांव एवं बाल्को मेडिकल सेंटर नवा रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में राजनांदगांव विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुकुलदैहान में सुरक्षा चक्र के तहत निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर में मुख के कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर सहित अन्य प्रकार के कैंसरों की जांच की गई। शिविर में 49 लोगों से स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जिसमें 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 31 एवं 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के 18 लोगों शामिल हुए। जांच के दौरान शरीर कोई असामान्य लक्षण, गांठ, असाध्य लक्षण दिखाई देने पर कैंसर जांच किया गया। शिविर में 19 मरीजों का मैमोग्राफी, 14 मरीजों का पैप स्मीयर, 3 मरीजों का रिफ्यूज फॉर मैमोग्राफी, 4 मरीजों का लो डेंसिटी ब्रेस्ट, 5 मरीजों का पहले ओर मैमोग्राफी परीक्षण, 2 मरीजों का ब्रेस्ट लंप सस्पेक्टेड किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पटेल एवं शिविर प्रबंधक विजेन्द्र साहु द्वारा सेवाएं दी गई। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, जिला एनसीडी सलाहकार डॉ. विकास राठौर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. उषा विंध्यराज, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक शेखर नागवंशी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी आनंद बंसोड़, बीईटीओ हेमंत ठाकुर, सुपरवाइजर कौशल शर्मा एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम उलेश पटेल पिता महेन्द्र पटेल निवासी ग्राम बिरेझर तहसील व जिला राजनांदगांव है। मेरे शिक्षण दस्तावेजों में मेरा उक्त नाम ही अंकित है परन्तु मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश विकी कुमार अंकित है। आधार कार्ड में मैं अपना नाम सुधारने के लिए यह आम सूचना प्रकाशित करवा रहा हूँ। मुझे अब मेरे सही नाम उलेश पटेल पिता महेन्द्र पटेल के नाम से जाना पहचाना जाये।

दिनांक - 19/08/2026

उलेश पटेल
पिता महेन्द्र पटेल
निवासी ग्राम बिरेझर
तहसील व जिला-राजनांदगांव

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202608092300010
अ/6 (अ) वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक एबीस फूड्स एण्ड प्रोटीन्स प्राईवेट लिमिटेड, प्रबंधक संचालक बहादुर अली आ. स्व. अब्दुल अजीज निवासी बल्देवबाग राजनांदगांव के द्वारा आवेदन प्रस्तुत ग्राम शिवपुरी, प.ह.नं. 02 राजस्व निरीक्षक मंडल मोहारा, तहसील डोंगरगढ़ में स्थित भूमि खसरा नं. क्रमशः 149/2, 149/3, 149/4, 149/6, 149/7, 149/8, 149/10, 149/11, 149/12, 149/13, 149/14, 181, 183, 189, 190/2, 191 एवं 277/1 रकबा क्रमशः 0.089, 0.113, 0.559, 0.182, 0.567, 0.660, 0.088, 0.085, 0.085, 0.202, 0.174, 0.181, 1.442, 0.809, 1.684, 1.214 एवं 0.567 हे. कुल ख. नं. 17 कुल रकबा 13.550 हे. भूमि दर्ज व स्थित है। उक्त वादभूमि का नाम एबिस एक्सपोर्टस प्रा. लिमिटेड प्र.सं. बहादुर अली आ. अब्दुल अजीज हैं जिसे संशोधन कर एबीस फूड्स एण्ड प्रोटीन्स प्राईवेट लिमिटेड, प्रबंधक संचालक बहादुर अली आ. स्व. अब्दुल अजीज किये जाने हेतु आवेदन मय बी-1, आधार कार्ड, प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत किया हैं।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/08/2026 के पूर्व स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
डोंगरगढ़, राजनांदगांव (छ.ग.)

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
2-6-0
278-7 247-3
राजधानी
1-5-9
116-8 480-2

चेतावनीः- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

// ईशतहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका **शशिकला यदु पिता-त्रिभवनलाल पति-रमेश यदु** जाति-ठेठवार कास्तकार ग्राम-ठेठवार-लंझिया तह. अं. चौकी जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी पिन नं. 491665 की निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से ग्राम ठेठवार-लंझिया तह. अं. चौकी प.ह.नं.29 रा.नि. मं. आतरगांव जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी छ.ग. में स्वामी हक की कृषि भूमि स्थित है। उक्त भूमि में मेरे नाम के स्थान पर **गोदावरी** अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **शशिकला यदु SHASHIKALA YADU** अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलियें राजस्व रिकार्ड में **गोदावरी** अंकित है। उसे सुधार करवाकर **शशिकला यदु SHASHIKALA YADU** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईशतहार के सबंध में किसी भी शासकीय/ अर्थशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईशतहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव इस्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान :-अं. चौकी
दिनांक :-19/08/2026

आवेदिका
शशिकला यदु
कास्तकार ग्राम ठेठवार लंझिया
तह. अं. चौकी जिला-मो.मा.अं. चौकी

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगाँव (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202608092300012
अ/6 (अ) वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक एबीस फूड्स एण्ड प्रोटीन्स प्राईवेट लिमिटेड, प्रबंधक संचालक बहादुर अली आ. स्व. अब्दुल अजीज निवासी बल्देवबाग राजनांदगांव के द्वारा आवेदन प्रस्तुत ग्राम खुड़मुड़ी, प.ह.नं. 09 राजस्व निरीक्षक मंडल मुसराकला तहसील डोंगरगढ़ में स्थित भूमि खसरा नं. 3/3, 9/1 एवं 12/3 रकबा क्रमशः 0.057, 0.283, 0.134 हे. भूमि दर्ज व स्थित है। उक्त वादभूमि का नाम एबिस एक्सपोर्टस प्रा. लिमिटेड प्र.सं. बहादुर अली आ. अब्दुल अजीज हैं जिसे संशोधन कर एबीस फूड्स एण्ड प्रोटीन्स प्राईवेट लिमिटेड, प्रबंधक संचालक बहादुर अली आ. स्व. अब्दुल अजीज किये जाने हेतु आवेदन मय बी-1, आधार कार्ड, प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत किया हैं।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/08/2026 के पूर्व स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 06/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

कार्यालय पताः- न्यू बस स्टैण्ड, व्यवसायिक परिसर, राजनांदगांव, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) फोन में 07744460714
E-mail-emzonerin@gmail.com

क्र./ 1083 / सं.अधि./26 राजनांदगांव/दिनांक 18/08/2026

-: आम सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, में अटल आवास योजना मनकी, जिला राजनांदगांव में भवन क्र. 135, का आबंटन **श्री सालिक राम यादव पिता श्री बिरझराम यादव** के नाम पर आबंटित है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन का पंजीयन निष्पादन दिनांक 19.08.2016 को करा लिया गया है। मूल आबंटी के आवेदन दिनांक 16.11.2021 पर मण्डल द्वारा केवल **श्रीमती ललतीन बाई पति श्री चिंताराम साहू** के नाम से विक्रय करने इस कार्यालय से विक्रय अनुमति पत्र क्रमांक- 2293 दिनांक- 15.12.2021 जारी किया गया, तत्पश्चात् आबंटी द्वारा उपपंजीयक कार्यालय में दिनांक 27.01.2022 को पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त भवन दो क्रेताओं (1) **श्रीमती ललतीन बाई** एवं (2) **खेमलता** को संयुक्त रूप से विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेतागणों द्वारा संयुक्त नामांतरण हेतु आवेदन पत्र एवं नोटरीकृत शपथ, सहमति पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः आवेदकों के पत्र में उनके अनुरोध पर मण्डल द्वारा संयुक्त नामांतरण की कार्यवाही से किसी व्यक्ति, परिवार के सदस्य, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था, बैंक, या अन्य वित्तीय संस्थान को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर सह प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त होने वाले कोई भी आपत्ति आवेदन पत्र. स्वीकार नहीं होगी तथा कार्यालय द्वारा संयुक्त नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

एनबीआईएस बोरी के छात्रों का रामचरितमानस व्याख्यान में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राजनांदगांव (दावा)। नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल बोरी के कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा निशि बजाज व कक्षा पांचवीं के छात्र नैवेद्य कौशिक ने 18 जुलाई को रामायण प्रचारक समिति ब्राह्मण पारा द्वारा आयोजित तुलसीदास जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय शालेय श्री रामचरितमानस व्याख्यान की 83वां माला प्रतियोगिता में अ वर्ग में नैवेद्य ने सांत्वना पुरस्कार तथा ब वर्ग में निशि बजाज ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर शाला परिवार को गौरवान्वित किया है। ज्ञात हो कि प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई थी। अ वर्ग में कक्षा दसवीं तक तथा ब वर्ग में दसवीं से ऊपर तक के बच्चों ने भाग लिया। शाला के दोनों छात्रों के व्याख्यान को श्रोतागण ने खूब सराहा। निशि बजाज को समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह के साथ ही नगद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया। दोनों छात्रों का मार्गदर्शन शाला के संगीत शिक्षक हेमंत हिरवानी द्वारा की गई। छात्रों की इस उपलब्धि पर शाला के डायरेक्टर श्री नीरज बाजपेयी, श्रीमती सोनल बाजपेयी, प्राचार्या श्रीमती एकता गांधी, एडमिन नितिन चौहान व शिक्षकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अशोका आईटीआई में शान से लहराया तिरंगा

राजनांदगांव (दावा)। नगर के अग्रणी तकनीकी शिक्षण संस्थान अशोका आई.टी.आई. में 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर गरिमामय ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में गजानन शिक्षा समिति के अध्यक्ष संतोष बोद्दन ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित प्राध्यापकों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन कर अमर शहीदों को नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए गजानन शिक्षा समिति के अध्यक्ष संतोष बोद्दन ने सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी तथा विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में तकनीकी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस गरिमामयी आयोजन में गजानन शिक्षा समिति के सचिव कमलनारायण चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र चन्द्राकर एवं वरिष्ठ सदस्य शैलेष श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्था के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कार्यालय तहसीलदार एवं व्यवस्थापक राजगामी सम्पदा, राजनांदगांव

उद्घोषणा

क्रमांक / / रा.सं./2026
राजनांदगांव दिनांक 07.08.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सेवा भारती समिति छत्तीसगढ़ एलोरा टिम्बर के पास गली नं.01 फाफाडीह, रायपुर (छ.ग.) द्वारा कलेक्टर महोदय राजनांदगांव के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत कर जिला राजनांदगांव में कौशल विकास के क्षेत्र में कार्य किये जाने के लिए ग्राम कौरिनभाठा प.ह.नं. 38 रा.नि.मं. कौरिनभाठा तह. व जिला राजनांदगांव खसरा नं. 171/1 रकबा 7.0740 हे. में से अंश रकबा 0.50 एकड़ /0.2023 हे. भूमि आबंटित किये जाने की मांग की गई है।

आवेदक संस्था को आवेदित प्रयोजनार्थ आबंटन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो, वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07.09.2026 तक अपनी आपत्ति लिखित में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रकाशन के निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं व्यवस्थापक,
राजगामी सम्पदा राजनांदगांव

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री नाम **ट्रिकल पटेल (TRIKAL PATEL)** उम्र 05 वर्ष निवासी ग्राम-घुमका, तहसील-घुमका, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.) की निवासी हूं। यह शपथ करता हूं कि मैंने अपनी पुत्री का पुराना नाम **ट्रिकल पटेल (TRIKAL PATEL)** को बदलकर नया नाम **टिवंकल पटेल (TWINKAL PATEL)** कर लिया हूँ। अतः भविष्य में अब मेरे पुत्री को नये नाम **टिवंकल पटेल (TWINKAL PATEL)** को सभी शासकीय व अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में दर्ज किया जावे। अब से मेरी पुत्री को नये नाम **टिवंकल पटेल (TWINKAL PATEL)** से जाना व पहचाना जावे। जिस हेतु यह सूचना छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहता हूँ।

ब्रिजेश पटेल
पिता दिलीप पटेल
निवासी-ग्राम घुमका
जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

-:: ईश्तहार ::-

E-.......अ-19 (3) वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम-झुराड़बरी, प.ह.नं.-18 तहसील व जिला राजनांदगांव को सूचित किया जाता है कि, कार्यालय नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के पत्र क्रमांक/247/भ.न. /2026-27 राजनांदगांव दिनांक 14.08.2026 के अनुसार SATA-CBG योजनांतर्गत भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा स्वयं के निवेश से नगर में एकत्रित होने वाले ठोस अपशिष्ट के साथ पेड्डी स्ट्रा एवं अन्य अधिशेष का उपयोग करके कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापना हेतु भूमि आबंटित करने मांग पत्र प्रस्तुत गया है। SATA-CBG योजनांतर्गत कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापना हेतु नगर निगम सीमा से बाहर ग्राम-झुराड़बरी प.ह.नं. 18 रा.नि.म. खैरझिटी, तहसीलव जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नं. 672 रकबा 13.354 हे. में से रकबा 7.689 हे. एवं खसरा नं. 161 रकबा 2.6300 हे. में से रकबा 0.4046 हे. कुल रकबा 8.936 हे. को चिन्हांकित किया गया है। अतः नगर पालिक निगम, राजनांदगांव द्वारा ग्राम-झुराड़बरी प.ह.नं. 18 रा.नि.म. खैरझिटी, तहसीलव जिला राजनांदगांव स्थित भूमि खसरा नं. 672 रकबा 13.354 हे. में से रकबा 7.689 हे. एवं खसरा नं. 161 रकबा 2.6300 हे0 में से रकबा 0.4046 हे. कुल रकबा 8.936 हे. का भूमि आबंटित किये जाने कलेक्टर महोदय, जिला राजनांदगांव को निवेदन किया गया है। भूमि मांग पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजनांदगांव के माध्यम से नियमानुसार कार्यवाही कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने इस न्यायालय को पत्र प्राप्त हुआ है। ताकि शासन की महत्वाकांक्षी योजना का कियान्वयन अतिशीघ्र किया जा सके। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे पेशी दिनांक 03/09/2026 तक लिखित में मेरें न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित पेशी तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। अतएव उक्त ईश्तहार आज दिनांक 19/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक :-19/08/2026
सुनवाई दिनांक :-03/09/2026

नायब तहसीलदार
राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202608092100018

विषयः- अ-6 अ **मामले की श्रेणीः- राजस्व** सनः- 2025-2026

छीरपानी (प.ह.नं. 00024),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार अभिराज सिंह भाटिया, सागर शर्मा, संदीप सिंह भाटिया,
अनावेदक पक्षकार-छत्तीसगढ़ शासन,

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण अभिराज सिंह भाटिया, पिता श्री चरणजीत सिंह भाटिया, निवासी बुधवारी पारा डोंगरगढ़, तहसील डोंगरगढ़, जिला राजनांदगाँव एवं अन्य 02 द्वारा आवेदन पेश किया है कि ग्राम छीरपानी, पटवारी हल्का क्रमांक 24, राजस्व निरीक्षक मंडल डोंगरगढ़, तहसील डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव स्थित भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में खसरा क्रमांक 63/7, रकबा 0.03 एकड़ अथवा 0.012 हेक्टेयर तथा खसरा क्रमांक 63/8, रकबा 0.03 एकड़ अथवा 0.012 हेक्टेयर के रूप में दर्ज है। उक्त भूमि का नामांतरण पूर्व में किया जा चुका है तथा बी-1 में हम तीनों आवेदकों के नाम दर्ज हैं। उक्त भूमि हमने श्रीमती रिनू चोपड़ा एवं अन्य तीन विक्रेताओं से पंजीकृत विक्रय-पत्र दिनांक 05 मई-2025 द्वारा क्रय की है। क्रय दिनांक से हम निरंतर भूमि पर काबिज हैं और वर्तमान में कब्जे को लेकर कोई विवाद नहीं है। वाद भूमि मूलतः प्रगति गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, डोंगरगढ़, पंजीयन क्रमांक ए.आर./आर.जे.एन./12/81-82 के द्वारा लगभग 115 भूखंडों का विक्रय ले आउट बनाकर खसरा नंबर 62 एवं खसरा नंबर 63 में विभिन्न भूमि स्वामियों को किया गया था। समिति के ले आउट में वाद भूमि प्लॉट क्रमांक 6 एवं 16 के रूप में दर्शित है। प्रगति गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, डोंगरगढ़ ने प्लॉट क्रमांक 6 एवं 16 की भूमि सर्वप्रथम श्री जगमीत सिंह छाबड़ा, पिता श्री रंजीत सिंह छाबड़ा, निवासी स्टेशन रोड, खंडू पारा, वार्ड क्रमांक 10. डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव को दिनांक 10 सितम्बर 2008 को विक्रय की थी। उसी भूमि को श्री जगमीत सिंह छाबड़ा ने बाद में श्रीमती रिनू चोपड़ा एवं अन्य तीन व्यक्तियों को विक्रय किया तथा उन्हीं विक्रेताओं से हम आवेदकगण ने दिनांक 05 मई 2025 को क्रय किया। प्रथम विक्रय-पत्र से लेकर हमारे विक्रय-पत्र तक भूमि का खसरा क्रमांक 63/7 एवं 63/8 ही अंकित होता चला आया है। प्रगति गृह निर्माण सहकारी समिति की मूल भूमि खसरा क्रमांक 62 एवं 63 में संयुक्त रूप से थी। समिति द्वारा की गई, परंतु खसरा क्रमांक 63/7 एवं 63/8 दर्ज हो गया। आसपास स्थित प्लॉट क्रमांक 7 एवं 17 खसरा क्रमांक 62 में दर्ज हैं और उनकी पंजीकृत चौहद्दिया आवेदित प्लॉट क्रमांक 6 एवं 16 को उनके दक्षिण में दर्शाती हैं। इसी प्रकार दक्षिण स्थित प्लॉट क्रमांक 5 की चौहद्दी भी बीच में 30 फीट रास्ते की स्थिति की पुष्टि करती है। अतः ले आउट और संबंधित विक्रय-पत्रों की परस्पर चौहद्दियों के अनुसार आवेदित प्लॉट क्रमांक 6 एवं 16 की वास्तविक स्थिति खसरा क्रमांक 62 के भीतर प्रतीत होती है, जबकि विक्रय-पत्रों और फलस्वरूप राजस्व अभिलेख में खसरा क्रमांक गलत अंकित चला आया है। जाँच में वाद भूमि खसरा क्रमांक 62 में स्थित पाए जाने पर खसरा क्रमांक 63/7 एवं 63/8 की गलत प्रविष्टि का विधि सम्मत सुधार कर भूमि को खसरा क्रमांक 62 में उचित नवीन बटांकन के रूप में दर्ज किये जाने, राजस्व अमले से स्थल निरीक्षण करवा कर नक्शा-बटांकन कराया जाकर प्लॉट क्रमांक 6 एवं 16 की वास्तविक स्थिति निर्धारित की जाने, खसरा, बी-1 एवं संबंधित राजस्व अभिलेखों में आवश्यक सुधार कर पृथक नक्शा काटे जाने एवं सुधारित अभिलेखों के आधार पर आवेदकगण के नाम से नवीन ऋण पुस्तिका जारी किये जाने का निवेदन किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 03/09/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/08/2026 को जारी किया जाता है।

AMIY SHRIVASTAVA
तहसीलदार
तहसील-डोंगरगढ़

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना : राजनांदगांव जिले में 5 हजार रूफटॉप सोलर कनेक्शन पूरे

बिजली बिल से राहत के साथ उपभोक्ता अब बन रहे ऊर्जा उत्पादक, केंद्र और राज्य शासन से मिल रहे दोहरे अनुदान से नागरिकों में बढ़ा रुझान

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में राजनांदगांव जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 5 हजार सौर कनेक्शन पूर्ण कर लिए हैं। योजना के माध्यम से जिले के घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इससे जहां घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिल रही है। वहीं स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देकर जिले को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य शासन की ओर से अनुदान एवं प्रोत्साहन का लाभ दिया जा रहा है। शासन की इस पहल से जिले में नागरिकों का रूफटॉप सोलर के प्रति रूझान लगातार बढ़ रहा है।

जिले के 5 हजार परिवारों तक पहुंचा सौर ऊर्जा का लाभ

राजनांदगांव जिले में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ग्राम पंचायतों, नगरीय क्षेत्रों तथा विभिन्न माध्यमों से नागरिकों को योजना के लाभ, आवेदन प्रक्रिया, सोलर संयंत्र की उपयोगिता तथा अनुदान की जानकारी दी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप जिले में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने योजना के तहत आवेदन कर अपने घरों पर सोलर संयंत्र स्थापित कराए हैं। जिले में 5 हजार सोलर कनेक्शन पूर्ण होना सौर ऊर्जा को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। योजना से लाभान्वित परिवार अपनी घरेलू बिजली जरूरतों को सौर ऊर्जा से पूरा करने के साथ अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। इससे पारंपरिक विद्युत स्रोतों पर निर्भरता कम होने के साथ बिजली खर्च में भी कमी आ रही है।

केंद्र और राज्य शासन से मिल रहा अनुदान

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत हितग्राहियों को सोलर संयंत्र की क्षमता के अनुसार केंद्र शासन की ओर से सब्सिडी का लाभ प्रदान किया जाता है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भी पात्र हितग्राहियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य शासन से मिलने वाली सहायता के माध्यम से हितग्राहियों को कम लागत में अपने घर पर सोलर संयंत्र स्थापित करने का अवसर मिल रहा है। सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद कई परिवारों के बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। वहीं सौर संयंत्र से घरेलू खपत से अधिक बिजली उत्पादित होने पर अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने की सुविधा का भी लाभ मिल रहा है। इस प्रकार योजना के माध्यम से घरेलू उपभोक्ता बिजली का उपयोग करने के साथ उसके उत्पादन में भी सहभागी बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसके माध्यम से घरेलू बिजली उपभोक्ता बिजली उत्पादक की भूमिका में भी आ रहे हैं। घर की छत पर स्थापित सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घरेलू आवश्यकताओं के लिए किया जाता है तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजा जा रहा है। इससे घरेलू स्तर पर ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है।

साथ ही बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने, पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण में भी सौर ऊर्जा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा मैदानी स्तर पर योजना की प्रगति की समीक्षा की जा रही है तथा लंबित आवेदनों, सोलर संयंत्र स्थापना और अनुदान भुगतान की प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। जिले में सूर्य सभा सहित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को योजना के लाभ और प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। इन प्रयासों से नागरिकों में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता और विश्वास बढ़ा है। नागरिकों को यह भी बताया जा रहा है कि सौर ऊर्जा बिजली बिल में कमी लाने के साथ भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल विकल्प है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 5 हजार सोलर कनेक्शन पूर्ण होना राजनांदगांव जिले में स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में परिवारों को आर्थिक राहत मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। आने वाले समय में सौर ऊर्जा से जुड़ने वाले परिवारों की संख्या बढ़ने के साथ बिजली की बचत, घरेलू अर्थव्यवस्था में राहत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। घरों की छतों पर स्थापित हो रहे सोलर संयंत्र राजनांदगांव जिले को स्वच्छ, हरित और ऊर्जा आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट की वंशिका चौहान बनीं दोहा वाचन प्रतियोगिता की विजेता, स्कूल का नाम किया रोशन

साक्षी रावटे और अनिरुद्ध चौबे को मिला सांत्वना पुरस्कार, प्रबंधन ने दी बधाई

राजनांदगांव (दावा)। रामायण प्रचारक समिति के तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित रामचरितमानस दोहा वाचन एवं विस्तार प्रतियोगिता में रॉयल किड्स कॉन्वेंट के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा वंशिका चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। आयोजन का मुख्य उद्देश्य रामचरितमानस के पावन दोहों और चौपाइयों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना, विद्यार्थियों में सनातन संस्कृति के प्रति आस्था जगाना और नैतिक मूल्यों का संचार करना था। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार प्रतिभागियों को दिए गए दोहे का भावार्थ विस्तार से समझाते हुए उसमें अन्य प्रासंगिक श्लोक व दोहे जोड़कर प्रभावशाली वक्तृत्व प्रस्तुत करना था। रॉयल किड्स कॉन्वेंट के छात्र-छात्राओं ने अपने ओजस्वी वक्तृत्व और धाराप्रवाह प्रस्तुति से निर्णायकों व दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वंशिका चौहान ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

साक्षी रावटे एवं अनिरुद्ध चौबे ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। संस्था के प्रशासक संजय बहादुर सिंह एवं अकादमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल ने विद्यार्थियों की मेहनत और संस्कारयुक्त प्रस्तुति पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों और संस्कारों के संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस गौरवमयी उपलब्धि पर संस्था की अध्यक्षा डॉ. श्रीमती सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेंबर्स टी.एस. बग्गा, सावंत बहादुर सिंह, राहुल देव चौधरी, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह, श्रीमती जहान्वी सिंह, श्रीमती ईला सिंह, बरसर डॉ. आई.के. वैष्णव, अकादमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल, उपप्राचार्या श्रीमती ममता मिश्रा, एचएम सुश्री सरिता सिंह, कल्चरल इंचार्ज श्रीमती अपर्णा वर्मा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

महिला पर एसिड अटैक

दुर्ग(दावा)। जिले के करंजा भिलाई क्षेत्र से कांवड़ यात्रा के दौरान महिला पर एसिड फेंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला पर बैटरी में इस्तेमाल होने वाला एसिड डाल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना में दो बच्चे भी झुलस गए।

सावन उत्सव में गांव को चित्रित कर कराई प्रतियोगिता

महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में गांव की वेशभूषा धारण की

राजनांदगांव (दावा)। कान्यकुब्ज महिला मंडल ने सावन उत्सव को भारतीय ग्रामीण परिवेश में ढालते हुए एक अलग दृश्य पेश किया। महिलाओं ने ग्रामीण वेशभूषा में खुद को सजा-संवारकर गांव की थीम पर 'गांव की गोरी' प्रतियोगिता का आयोजन किया। अवस्थी निवास जीई रोड में सावन की सबसे अलग छटा बिखेरी गई। सावन माह के महत्व को और अधिक उत्साहित माहौल में ढालकर महिलाओं ने गांव की गोरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतिभागियों ने अलग-अलग प्रांत को एक ही स्थान में आमंत्रित कर उसी प्रांत की वेशभूषा धारण की। निर्णायकों ने प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर गांव की गोरी के रूप में प्रथम पुरस्कार के लिए श्रीमती सुधा तिवारिब, द्वितीय स्थान के लिए श्रीमती नीना तिवारी तथा तृतीय स्थान के लिए श्रीमती अर्चना तिवारी को उपयुक्त मानते हुए पुरस्कृत किया। इसी तरह लेखन के माध्यम से कराई गई प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती सुधा तिवारी, द्वितीय श्रीमती अनीता बाजपेई एवं तृतीय स्थान श्रीमती निधि बाजपेई ने पाया।

ऑनलाईन सावन सुंदरी प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती प्रियंका तिवारी, द्वितीय श्रीमती निधि बाजपेई एवं तृतीय श्रीमती श्रेया शुक्ला रहीं। लक्की गेम प्रतियोगिता में प्रथम श्रीमती अनीता बाजपेई द्वितीय डॉक्टर ऊषा मिश्रा तथा तृतीय श्रीमती सुषमा शुक्ला को चुना गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उन्हें दी गई जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया।

पहला कॉलम...

गुजराती स्कूल में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई गोस्वामी तुलसीदास जयंती

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय गुजराती स्कूल में महाकवि एवं श्रीरामचरित मानस के रचयिता संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती अत्यंत उत्साह, गरिमा और श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक मोरजध्वज साहू ने किया। उन्होंने अपनी ओजस्वी व प्रभावी शैली में तुलसीदास जी के जीवन प्रसंगों और उनकी भक्ति परंपरा पर प्रकाश डालते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समारोह के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने श्रीरामचरितमानस की अमर चौपाइयों और दोहों का मधुर सस्वर पाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुषमा शुक्ला एवं उपप्राचार्या श्रीमती अपर्णा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तुलसीदास जी के साहित्यिक योगदान, भक्ति दर्शन और उनके द्वारा समाज को दिए गए नैतिक व मानवीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया। समापन अवसर पर छात्र-छात्राओं को तुलसीदास जी की शिक्षाओं को आत्मसात कर सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष विनय पटेल, उपाध्यक्ष पवन पटेल, सचिव सी.ए. रूपम सोनछात्रा, कोषाध्यक्ष हिमांशु पटेल, कार्यकारिणी सदस्य सूरज बुद्धदेव, पीयूष पटेल सहित प्रबंध समिति के समस्त सदस्यों ने धार्मिक ग्रंथों को नमन करते हुए संत तुलसीदास जी का पुण्य स्मरण किया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

708 ग्रामीणों ने उठाया निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का लाभ

तुमडीबोड़ (दावा)। आयुष विभाग जिला राजनांदगांव द्वारा जिला आयुष अधिकारी डॉ. शिल्पा मिश्रा के मार्गदर्शन में मंगलवार 18 अगस्त को ग्राम पंचायत परिसर टप्पा (तेलीटोला) में विकासखंड स्तरीय निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया गया तथा जरूरत के अनुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। स्त्री रोग, बाल रोग, उदर रोग, चर्म रोग सहित विभिन्न रोगों से संबंधित चिकित्सा परामर्श के साथ एनसीडी स्क्रीनिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में बच्चों के लिए स्वर्णप्राशन संस्कार, ग्रामीणों के लिए निःशुल्क आयुष काढ़ा वितरण, योग परामर्श तथा स्वस्थ जीवनशैली, आहार-विहार एवं आयुर्वेदिक दिनचर्या के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। आयुष विभाग के अनुसार शिविर में स्वर्णप्राशन से 228, आयुर्वेद चिकित्सा से 361, होम्योपैथी से 73 तथा एनसीडी स्क्रीनिंग से 46 हितग्राही लाभान्वित हुए। विभिन्न आयुष एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मिलाकर शिविर से कुल 708 मरीज एवं हितग्राही लाभान्वित हुए। शिविर में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. हर्ष कुमार, डॉ. शोबी खान, डॉ. अनमोल गुप्ता, डॉ. आलोक कल्चुरी, फार्मासिस्ट फिरोज खान, संजय सिंह, अलख राम सिन्हा, टीनू दीवान, औषधालय सेवक सोमकांत चंद्राकर, राधा अहिरवार, भोगराम चन्द्रवंशी सहित आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में शिविर का शुभारंभ किया गया।

मिलावटी पनीर के खतरों से बचने घर पर बनाएं सोया पनीर, स्वास्थ्य और जेब दोनों के लिए फायदेमंद : अशोक चौधरी

बाजार में बिक रहे केमिकल युक्त पनीर पर जताई चिंता, महिला स्व-सहायता समूहों को सोया पनीर निर्माण से जोड़ने का दिया सुझाव

घर पर बेहद आसान और कम खर्च में बनता है सोया पनीर

राजनांदगांव (दावा)। बाजार में केमिकल युक्त मिलावटी और अमानवीय तरीके से तैयार किए जा रहे नकली पनीर की बढ़ती बिक्री पर किसान नेता अशोक चौधरी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सख्ती के बावजूद अधिक मुनाफे के लालच में व्यापारी लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में आम नागरिकों को मिलावट के जहर से बचने के लिए घर पर ही शुद्ध एवं पौष्टिक सोया पनीर (टोफू) तैयार करने की पहल करनी चाहिए।

किसान नेता अशोक चौधरी ने बताया कि सोया पनीर बनाना बेहद सरल और किफायती है। घर पर उपयोग के लिए 250 ग्राम या आधा किलो सोयाबीन को अच्छी तरह साफ कर रातभर पानी में भिगो दें। सुबह इसे मिक्सी में बारीक पीसकर साफ कपड़े से छान लें, जिससे सोया दूध तैयार हो जाएगा। 1 किलो सोयाबीन से लगभग 8 लीटर दूध बनता है। इस दूध को उबालकर नींबू या पनीर मसाले की सहायता से फाड़कर सामान्य पनीर की तरह दबाकर सोया पनीर तैयार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मात्र 50 से 60 रुपये की लागत में 1 किलो शुद्ध सोया पनीर बन जाता है, जबकि बाजार में मिलावटी मिल्क पनीर 400 से 440 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। सोया पनीर पौष्टिकता के मामले में भी मिल्क पनीर से दोगुना लाभकारी है।

अशोक चौधरी ने सुझाव दिया कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के महिला स्व-सहायता समूह सोया पनीर निर्माण को स्वरोजगार के रूप में अपना सकते हैं। समूह स्तर पर इसका उत्पादन कर स्थानीय बाजार में शुद्ध पनीर उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे महिलाओं को आर्थिक लाभ होगा। इसके साथ ही, स्कूलों में दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन की सब्जियों में सोया पनीर शामिल करने से बच्चों को कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला पौष्टिक आहार भी मिल सकेगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे मिलावटी पनीर से बचें और स्वास्थ्यवर्धक सोया पनीर को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में दिखा वंदेमातरम् और तिरंगे का गौरवशाली इतिहास

मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर में 80 गंभीर, अति गंभीर तथा मध्यम श्रेणी के बच्चों की गई स्वास्थ्य जांच

राजनांदगांव (दावा)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुमरदा में मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 80 गंभीर, अति गंभीर तथा मध्यम श्रेणी के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण कर चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के सफल आयोजन में हमर स्वस्थ लइका कार्यक्रम एवं एम्स रायपुर के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर का विशेष सहयोग रहा। इसके साथ ही जन औषधि केंद्र छुरिया के सहयोग से बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी सेवाएं प्रदान की गईं। विभागीय टीम द्वारा बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई तथा जरूरत के अनुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। शिविर के माध्यम से गंभीर एवं कुपोषण की श्रेणी में आने वाले बच्चों की समय पर पहचान, स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यक उपचार एवं पोषण संबंधी सेवाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से एएनएम, मेडिकल ऑफिसर एवं फार्मासिस्ट उपस्थित थे।

जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी में दिखा वंदेमातरम् और तिरंगे का गौरवशाली इतिहास

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा नगर पालिक निगम के टाउन हॉल में 'हर घर तिरंगा', 'वंदे मातरम्' एवं 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' थीम पर आधारित विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के गौरवशाली 150 वर्षों की विकास यात्रा, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और राष्ट्रध्वज तिरंगे के क्रमिक विकास को चित्रों के माध्यम से जीवंत रूप में संजोया गया।

इतिहास और योजनाओं की मिली जानकारी

नगर निगम अध्यक्ष पारस वर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि यह आयोजन नई पीढ़ी को वंदेमातरम् और तिरंगे के गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराने का बेहतरीन माध्यम है। पार्षद अरुण साहू, पूर्व पार्षद किशुन यदु, संतोष निर्मलकर और ग्राम गतुला निवासी दुर्गा बाई सहित अन्य नागरिकों ने प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे आजादी के संघर्ष के साथ-साथ शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं की महत्वपूर्ण जानकारी मिली। प्रदर्शनी स्थल पर जनसंपर्क विभाग की मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के पाम्पलेट्स एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया।

वंदेमातरम् ध्वज और सेल्फी जोन रहे आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में बताया गया कि वीर गीत वंदेमातरम की रचना 7 नवंबर 1875 को हुई थी। आजादी के आंदोलन के दौरान तैयार 'कलकत्ता ध्वज' (वंदेमातरम् ध्वज) के विभिन्न स्वरूपों को भी प्रदर्शित किया गया। राष्ट्रप्रेम के इस उत्साह को सहेजने के लिए प्रदर्शनी में एक विशेष सेल्फी जोन भी बनाया गया, जहां युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक तस्वीरें खिंचवाईं। इस दौरान नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, पार्षद शिव वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर आयोजन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

बालरत्न मंच सेवा समिति के 33वें गणपति महामहोत्सव के निर्विरोध अध्यक्ष बने सौरभ खंडेलवाल

राजनांदगांव (दावा)। बालरत्न मंच सेवा समिति गणपति महामहोत्सव के संयोजक राहुल अग्रवाल, चैतन्य अग्रवाल ने बताया कि संस्कारधानी राजनांदगांव की जानी-मानी सेवाभावी संस्था बालरत्न मंच सेवा समिति जो शहर में अपनी सेवा समर्पण के लिए जानी जाती है। आगामी 33वें गणपति महामहोत्सव मनाने हेतु विगत दिनों संस्था की बैठक में बालरत्न मंच सेवा समिति गणपति महामहोत्सव के सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष सौरभ खंडेलवाल बने। वे शहर में विभिन्न संस्थाओं में अपनी समर्पण सेवाओं के लिए जाने जाते हैं। अपनी सेवाओं से विभिन्न संस्थाओं के विभिन्न पदों को सुशोभित कर रहे हैं। गणपति महामहोत्सव अध्यक्ष सौरभ खंडेलवाल ने सेवा लक्ष्य सेवा में हर पल-हर क्षण समर्पण सेवा का लक्ष्य रखते हुए कार्यकारिणी की घोषणा की है। हमारे आदर्श संरक्षक विजय अग्रवाल, रमेश जैन छुरिया वाले, सुनी6 अग्रवाल, (समाजसेवी) बृज किशोर सुरजन, विमल शर्मा, हरीश अग्रवाल, अजय सिंगी, गेंदमल ओसवाल, राजकुमार अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, घनश्याम भूतड़ा, विजय खंडेलवाल, जगदीश प्रसाद सोनी, राकेश वैष्णव, विशेष आमंत्रित सदस्यों में भावेश अग्रवाल, निकुंज सिंघल, अर्पण खंडेलवाल, यश नाहटा, आयोजन संयोजक राहुल अग्रवाल, चैतन्य अग्रवाल को बनाया है। साथ ही कोषाध्यक्ष की महती भूमिका संदेश जैन, सचिव का दायित्व अभिनव अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, रवि शर्मा, दिनेश अग्रवाल, करण अग्रवाल, सहसचिव अरविंद गुप्ता, निलेश शर्मा, शैलेश शर्मा, महामंत्री मयंक कृष्णा शर्मा, रितेश यादव, कैलाश गुप्ता, मंडप व्यवस्था प्रमुख रोहित शर्मा, तनवीर सिंग, पूजापाठ व्यवस्था प्रमुख प्रभारी महेश शर्मा, लोकेश अग्रवाल सांस्कृतिक कार्यक्रम सेवा प्रभारी प्रशांत कुशवाहा, श्रेयांश जोशी, भंडारा महाप्रसाद प्रमुख सेवक सीए पीयूष शर्मा, सतपाल वाधवानी, राजा गुप्ता, सवी अग्रवाल, आयुष शर्मा, प्रचार-प्रसार प्रमुख मनीष यादव, हर्ष अग्रवाल को बनाया गया है। उपरोक्त जानकारी बाल रत्न मंच सेवा समिति गणपति महामहोत्सव के सचिव अभिनव अग्रवाल ने दी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई–निविदा सूचना
निविदा सूचना सं. TRD_NAG_TENDER_26-27_19, दिनांक 13.08.2026
कार्य का नाम: नागपुर डिवीजन के G-JBP सेक्शन पर ऑटो टेंशनिंग डिवाइस (ATD) का पुनर्वास/POH. बयाना राशि (रू में): 2,17,300.00, निविदा मूल्य (रू में): 1,08,66,891.95
इलेक्ट्रॉनिक ऑफर (ऑनलाइन) जमा करने की अंतिम तिथि: 03.09.2026 को 15:00 बजे
उपरोक्त टेंडर के बारे में अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।
मंडल विद्युत अभियंता (टीआर–डी)
PAM/37/91 द.पू.म.रेलवे / नागपुर
South East Central Railway @secrail

अनमोल दावा

"सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन अगर ठान लो तो एक दिन जरुर मिलती है।

फिर से पटरी पर आता बंगाल

किसी सरकार के जीवन में सौ दिन बहुत लंबा समय नहीं होता, लेकिन सौ दिन यह बताने के लिए पर्याप्त होते हैं कि सरकार की नीयत क्या है, नीति क्या है और दिशा क्या है। पश्चिम बंगाल की नई सरकार के पहले सौ दिन इसी कसौटी पर देखे जाने चाहिए। इन सौ दिनों में सबसे बड़ा परिवर्तन बंगाल के माहौल में दिखाई देता है। लंबे समय बाद बंगाल में आम आदमी यह महसूस कर रहा है कि सरकार केवल सत्ता का प्रतिष्ठान नहीं, उसकी अपनी सरकार भी है। कानून सबके लिए है। प्रशासन को जवाबदेही तय करनी होगी। बंगाल लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा, टकराव और भय की खबरों से पहचाना जाता रहा।

गांव से शहर तक राजनीति जीवन के हर हिस्से में मौजूद थी। नई सरकार के सामने पहली चुनौती इसी माहौल को बदलने की थी। सत्ता परिवर्तन का अर्थ केवल मुख्यमंत्री और मंत्रियों का बदलना नहीं होता। असली परिवर्तन तब होता है, जब शासन की कार्यसंस्कृति बदलती है। इन सौ दिनों में सरकार ने प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है कि अब जवाबदेही सर्वोपरि है। फैसले समय पर हों। जनता की शिकायतें सुनी जाएं। योजनाएं कागज से निकलकर जमीन तक पहुंचें।

बंगाल सरकार ने शुरुआती सौ दिनों में स्वास्थ्य, रोजगार, महिला कल्याण, सीमा सुरक्षा और केंद्र-राज्य सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। नई सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को राज्य में लागू करना प्रमुख है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समझौता कर इस योजना से जुड़ाव हुआ। इसका महत्व केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। बंगाल का पात्र व्यक्ति देश के दूसरे हिस्से में सूचीबद्ध अस्पताल में इसका लाभ ले सकता है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए गंभीर बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, आर्थिक संकट भी बन जाती है। इसलिए यह फैसला आमजन को स्वास्थ्य सुरक्षा और भरोसा देने वाला है।

बंगाल की बांग्लादेश के साथ लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। इसलिए सीमा सुरक्षा यहां केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, कानून-व्यवस्था और सीमावर्ती नागरिकों की सुरक्षा से है। नई सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को आवश्यक लंबित भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णय लिया। यह एक राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश भी था कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति नहीं होगी। बंगाल पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार है। पूर्वोत्तर भारत से उसकी स्वाभाविक कड़ी है। बंगाल की खाड़ी उसे दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों से जोड़ती है। इस भौगोलिक सामर्थ्य को आर्थिक शक्ति में बदलना होगा।

एक समय बंगाल भारत की औद्योगिक शक्ति था। हुगली के किनारे कारखानों की कतार थी। जूट उद्योग था। इंजीनियरिंग थी। कोलकाता देश के व्यापारिक केंद्रों में अग्रणी था। दुर्गापुर और आसनसोल औद्योगिक पहचान रखते थे। हल्दिया का अपना महत्व था। फिर धीरे-धीरे उद्योगों का पलायन शुरू हुआ। नई सरकार ने अपने शुरुआती दिनों में उद्योग जगत को एक स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि अब बंगाल उद्योग से संघर्ष नहीं करेगा। निवेश केवल घोषणाओं से नहीं आता। निवेशक को भरोसा चाहिए। नीति में स्थिरता चाहिए। कानून-व्यवस्था चाहिए। जमीन और बिजली चाहिए। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता चाहिए। सरकार के सामने अब चुनौती इस भरोसे को वास्तविक निवेश में बदलने की है। बंगाल के पास आज भी अपार संभावनाएं हैं। बंदरगाह हैं। रेल नेटवर्क है। विशाल बाजार है। कुशल मानव संसाधन है। इन सभी शक्तियों को एक सूत्र में जोड़ दिया जाए तो बंगाल फिर भारत के औद्योगिक मानचित्र पर अपना पुराना गौरव प्राप्त कर सकता है। रोजगार केवल सरकारी नौकरियों से पैदा नहीं होगा। एमएसएमई चाहिए। स्टार्टअप चाहिए। आइटी चाहिए। मैन्यूफैक्चरिंग चाहिए। पर्यटन चाहिए। कृषि आधारित उद्योग चाहिए। हर जिले की पहचान को रोजगार से जोड़ना आने वाले पांच वर्षों में सरकार की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक होगी। बंगाल ने बीते वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध की कई ऐसी घटनाएं देखीं, जिन्होंने पूरे देश को विचलित किया। नई सरकार ने महिला सुरक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है।

महिला सुरक्षा ऐसा विषय है, जिस पर सौ दिनों की उपलब्धि गिनाकर रुकना संभव नहीं है। यह निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है। सौ दिनों में यदि कोई एक परिवर्तन सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है तो वह इसी भरोसे की वापसी है। इसे आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। राज्य तभी आगे बढ़ता है, जब नागरिक को विश्वास हो कि उसका आने वाला कल आज से बेहतर होगा।

जंगल की लड़ाई शहरों तक पहुंचेगी!

अजीत द्विवेदी

पिछले कुछ वर्षों से एक परिघटना के तौर पर 'अर्बन नक्सल' की चर्चा हो रही है। बड़े शहरों खास कर महानगरों में रहने वाले कुछ बुद्धिजीवियों को गिरफ्तार भी किया गया। उनके ऊपर नक्सलियों को समर्थन देने के आरोप लगे। भीमा कोरेगांव में हिंसा भड़काने के प्रयास के आरोपों में जांच हुई और कई बौद्धिकों के कंप्यूटर से कथित तौर पर हिंसा को समर्थन देने वाले दस्तावेज व चिट्ठियां बरामद हुईं। इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए फादर स्टेन स्वामी का न्यायिक हिरासत में निधन हो गया। उनके हाथ कांपते थे और उनको पानी पीने के लिए स्ट्रॉ चाहिए था तो उसकी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई थी। सरकार उनके प्रति इतनी सख्त थी कि जेल प्रशासन स्ट्रॉ तक नहीं दे रहा था। गौतम नवलखा से लेकर आनंद तेलतुम्बडे और प्रोफेसर जी साईबाबा तक अनेक लोग गिरफ्तार हुए और लंबे समय तक जेल में रहे।

अब प्रधानमंत्री ने 'दिमागी नक्सल' का एक नया जुमला ईजाद किया है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से अपने 13वें भाषण में यह जुमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जंगल के नक्सलियों, जिनके लिए उन्होंने 'हथियारी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया, का सफाया हो चुका है। इसके बाद उन्होंने 'दिमागी नक्सल' की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने का आह्वान किया। यह 'अर्बन नक्सल' से आगे की परिघटना है। ऐसा लग रहा है कि 'अर्बन नक्सल' का विमर्श वांछित परिणाम नहीं दे सका है। शहरी और ग्रामीण विभाजन में यह मामला कहीं खो गया। मध्य वर्ग के कुछ लोगों को एक अवधारणा के तौर पर यह अच्छा लगा लेकिन जिन लोगों पर कार्रवाई हुई उनमें से ज्यादातर को सामान्य लोग नहीं जानते थे या उनसे कनेक्ट नहीं कर सके। इसलिए उनके लिए ऐसे लोगों को खतरे के तौर पर देखना थोड़ा मुश्किल था। तभी ऐसा लग रहा है कि उससे आगे की परिघटना के तौर पर 'दिमागी नक्सल' का विचार प्रस्तुत किया गया है।

प्रधानमंत्री ने इसे अलग से परिभाषित नहीं किया लेकिन जिस तरह उन्होंने 'हथियारी नक्सल' के बरक्स 'दिमागी नक्सल' को रखा उससे परिभाषा बहुत स्पष्ट है। इसका पहला उद्देश्य तो यह दिख रहा है कि 'अर्बन नक्सल' से जो बात ज्यादा लोगों तक नहीं पहुंची उसे 'दिमागी नक्सल' के नाम पर पहुंचाया जाए। दूसरा मकसद यह दिख रहा है कि इसे एक खास भौगोलिक क्षेत्र की बजाय अखिल भारतीय परिघटना बनाया जाए। तीसरा उद्देश्य जंगल की लड़ाई को घर घर में और गली गली में पहुंचाना है। ध्यान रहे लोग नक्सल का एक ही मतलब समझते हैं। जिनको इसका इतिहास, भूगोल भी नहीं पता है वे भी मानते हैं कि नक्सली वो लोग होते हैं, जो सरकार से लड़ते हैं और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करते हैं।

यह बहुत सरलीकृत धारणा है लेकिन आम भारतीय के मन में

नक्सली की यही छवि है। यह बात खासतौर से उन इलाकों के लिए कही जा सकती है, जहां नक्सलवाद का असर नहीं रहा है। बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश जैसे राज्य, जहां माओवाद या नक्सलवाद का असर रहा उन राज्यों के बाहर इसके बारे में कोई स्पष्ट धारणा लोगों के मन में नहीं है। असर वाले राज्यों में भी शहरी इलाकों में लोग इससे अप्रभावित रहे हैं। तो दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में इनके प्रति सहानुभूति रखने और इन्हें समर्थन देने वाला भी एक बड़ा तबका हमेशा मौजूद रहा है। बहरहाल, जो बिल्कुल ही अप्रभावित रहे या नक्सलवाद की परिघटना के भौगोलिक दायरे से बाहर रहे उनके मन में नक्सलियों को लेकर जो धारणा है वह सरकार विरोधी और सुरक्षा बलों पर हमला करने वालों के रूप में है। वे 'दिमागी नक्सल' को भी इसी रूप में देखेंगे। उनके लिए 'दिमागी नक्सल' वह है, जो सरकार का विरोध कर रहा है। भले विरोध लोकतांत्रिक हो। विरोध के तरीकों के आधार पर फर्क नहीं किया जाएगा। सशस्त्र विरोध और लोकतांत्रिक विरोध एक माने जाएंगे। तभी यह संभव है कि एक बरसात में धंस जाने वाले एक्सप्रेसवे का मुद्दा उठाने वाला 'दिमागी नक्सल' मान लिया जाए। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का विरोध वाले से लेकर छात्र आंदोलन का समर्थन करने वालों को भी 'दिमागी नक्सल' ठहराया जा सकता है। सरकार की आर्थिक व विदेश नीति पर सवाल उठाने वाला या सुरक्षा बलों की कार्रवाई का विरोध करने वाला तो निश्चित रूप से 'दिमागी नक्सल' माना जाएगा।

भारत या किसी भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सशस्त्र संघर्ष का समर्थन करने वालों का बचाव नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या अगर कोई व्यक्ति मौजूदा व्यवस्था का विरोध करता है, नागरिक सुविधाओं की अनुपस्थिति की ओर ध्यान दिलाता है, सरकार से लेकर देश की अन्य संस्थाओं की साख पर सवाल उठाता है और उन्हें विश्वसनीय नहीं मानता है, उन्हें बदलने की बात करता है तो उसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा सकता है? ध्यान रहे ऐसे ही लोगों को 'अर्बन नक्सल' कहा गया था। देश के बौद्धिकों को 'अर्बन नक्सल' कहा गया। किसान आंदोलन करने वालों को खालिस्तानी और उस आंदोलन का समर्थन करने वालों को 'अर्बन नक्सल' कहा गया।

कोरोना के समय सरकार की हैंडलिंग पर सवाल उठाने वालों को 'अर्बन नक्सल' कहा गया। गरीब, आदिवासी और कश्मीरियों की लड़ाई लड़ने वाले ज्यादा निशाने पर रहे। मेधा पाटकर से लेकर अरुंधति रॉय तक सब 'अर्बन नक्सल' हैं। सामाजिक संगठनों पर पिछले कुछ वर्षों में जो कार्रवाई हुई है और विदेशी चंदे के लिए बने कानून, एफसीआरए के नियम सख्त करके गैर सरकारी संगठनों की फंडिंग रोकने का जो अभियान चला है उसके पीछे एक मुख्य कारण कथित 'अर्बन नक्सल' को कमजोर करना है। देश की कई प्रतिष्ठित रिसर्च संस्थाओं को 'अर्बन नक्सल' से जोड़ा गया। अब इसे अमूर्त अवधारणा से निकाल कर व्यापक रूप से जनता के बीच ले जाने के लिए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग हुआ है। कह सकते हैं कि एक चरण पूरा हो गया है और इस बार लाल किले से अगले चरण की घोषणा हुई है।

असल में पिछले 12 साल से सरकार और भाजपा का विरोध करने वाले लोगों के लिए अलग अलग विशेषण गढ़े जा रहे हैं और उन्हें एक खांचे में फिट करने का प्रयास किया जा रहा है। कभी उनको 'खान मार्केट गैंग' कहा जाता है, 'कभी टुकड़े टुकड़े गैंग' कहा जाता है, कभी 'अर्बन नक्सल' कहा जाता है तो अब 'दिमागी नक्सल' कहा जाएगा। यहां एक पैटर्न साफ साफ दिखता है। देश के सम्भ्रांत वर्ग के साथ साथ ऐसे बौद्धिकों को निशाना बनाना है, जो सरकार की क्रोनी कैपिटलिज्म की नीति पर सवाल उठाते हैं और उसकी विभाजनकारी नीतियों का विरोध करते हैं। ये दोनों सरकार की दुखती रग हैं। इनका विरोध करने वाले के लिए प्रयोग होने वाले विशेषण में नक्सली शब्द जोड़ दिया जाए तो यकीन दिलाना आसान हो जाएगा।

ध्यान रहे 'हथियारी नक्सल' खत्म होने के बाद जल, जंगल, जमीन बड़े उद्योगपतियों को सौंपना आसान हो जाएगा और 'दिमागी नक्सल' के कमजोर होने या समाप्त होने से सत्ता हर तरह के खतरे से सुरक्षित होगी। अब दिलचस्पी यह देखने में होगी कि पहचान का अभियान कैसे चलता है और खत्म करने की लड़ाई कैसे होती है? विचार के स्तर पर लड़ना मुश्किल होगा। तभी सवाल है कि क्या जो लरीका 'हथियारी नक्सल' से लड़ने में इस्तेमाल हुआ वही 'दिमागी नक्सल' के खिलाफ भी आजमाया जाएगा?

विचार सरिता

जीवन सूत्र : प्राचीन ग्रंथों से : मन को भटकने के बदले दूसरी दिशा की ओर मोड़ने का प्रयत्न करें

डॉ.योगेंद्र कुमार पांडेय

जीवन सूत्र : प्राचीन ग्रंथों से : मन को भटकने के बदले दूसरी दिशा की ओर मोड़ने का प्रयत्न करें

यह इंद्रियों के विषयों का स्वाभाविक कार्य है कि वे इंद्रियों को अपनी ओर मोड़ें और मनुष्य को अपना अनुसरण करने को बाध्य करें। अगर मनुष्य का स्वयं पर नियंत्रण नहीं रहा तो वह अपना वर्तमान कार्य छोड़कर केवल विषय सुखों के पीछे ही भागता रहेगा।

प्रायः यह होता है कि मनुष्य कर्मेन्द्रियों को रोककर उन इन्द्रियों के विषय-भोगों का मन से चिन्तन करता रहता है। वह वास्तव में ढोंगी है। असल में वह सदाचरण का दिखावा करता है। अब यहां प्रश्न यह है कि मन के सहयोग से इंद्रियों को उन विषयों की ओर आकर्षित होने से कैसे रोका जाए?

उम्र के हर दौर में आकर्षण बिंदु अलग-अलग हो सकते हैं। एक बच्चे के लिए उसके बाल खेलों में आकर्षण है। किशोरावस्था में आसमान से चांद तारे तोड़ लाने की क्षमता और उसे इसका आभास कराने वाली चीजों में आकर्षण है। युवावस्था में अंततः एक सम्मान, प्रतिष्ठा और सुख -सुविधाओं की प्राप्ति के स्रोतों में आकर्षण है। जीवन के उत्तरार्ध में परम सत्ता से लौ लगाने और उससे साक्षात्कार की उत्कंठा में आकर्षण है।

जीवन के सहज आकर्षण केंद्रों के दमन, मनाही और वर्जनाओं के बदले उससे बड़ी स्थापना की जा सकती है और अपने चिंतन बिंदु को दूसरे सकारात्मक लक्ष्यों और दिशाओं में मोड़ा जा सकता है। अगर मनुष्य यह संकल्प करे, कि वह अब मिठाई नहीं खाएगा, तो जब तक उसका अपने मन पर नियंत्रण स्थापित नहीं होगा, उसका ध्यान बार-बार मिठाई की ओर ही जाएगा। ऐसी स्थिति में मन को दूसरी ओर मोड़ना होगा। यह कहना होगा कि मैं मिठाई के स्थान पर फल खाऊंगा। अब हमने मिठाई के स्थान पर एक विकल्प फल बनाया हुआ है और अगर हम बार-बार यही दोहराएं तो निश्चित रूप से हमारा ध्यान मिठाई की ओर से हट जाएगा और हम फल खाने को अपने साथ अनुकूलित कर लेंगे।

सोत श्लोकः-

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में महायोद्धा अर्जुन से कहा हैः-

कर्मेन्द्रियाणि संयम्य य आस्ते मनसा स्मरन।
इन्द्रियार्थान्विमूढात्मा मिथ्याचारः स उच्यते।(3.6)।

इसका अर्थ हैः- जो मूढ़ बुद्धि मनुष्य समस्त इंद्रियों को हठपूर्वक ऊपर से रोककर मन से उन इंद्रियों के विषयों का चिंतन करता रहता है, वह मिथ्याचारी अर्थात दंभी कहा जाता है।

तेल लगाने से क्या सच में दोबारा उगते हैं बाल?

सबसे पहले तो ये बात गांठ बांध लें कि सिर्फ स्कैल्प पर तेल लगाने से नए बाल उगने की गारंटी नहीं होती। तेल मुख्य रूप से बालों को कंडीशन करने, रूखापन कम करने और बालों को टूटने से बचाने में मदद करता है। इससे बाल देखने में ज्यादा मुलायम, चमकदार और स्वस्थ लग सकते हैं। अगर बालों का झड़ना किसी अंदरूनी समस्या, जेनेटिक्स या हार्मोनल बदलाव के कारण हो रहा है, तो केवल तेल लगाने से उस समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।

फिर बालों में तेल लगाने से फायदा क्या है?

तेल बालों की बाहरी परत को कोट करता है, जिससे बालों में रूखापन और घर्षण कम हो सकता है। खासकर ड्राई और फ्रिजी बालों में तेल लगाने के बाद बाल ज्यादा मैनेजेबल महसूस हो सकते हैं।

स्कैल्प मसाज करने से क्या बाल बढ़ते हैं?

तेल लगाते समय हल्के हाथों से स्कैल्प की मसाज करना आम बात है। इससे आराम और रिलैक्सेशन मिल सकता है। हालांकि, इसे बालों की ग्रोथ का पक्का या वैज्ञानिक रूप से स्थापित इलाज मानना सही नहीं है। स्कैल्प पर मसाज करते समय बहुत ज्यादा दबाव या नाखूनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे स्कैल्प में जलन या चोट हो सकती है।

क्या रोजाना तेल लगाना जरूरी है?

नहीं। बालों को रोजाना तेल लगाना जरूरी नहीं है। बहुत ज्यादा तेल लगाने से कुछ लोगों में स्कैल्प चिपचिपा हो सकता है और अगर स्कैल्प पहले से ऑयली है तो परेशानी बढ़ सकती है। जरूरत के हिसाब से तेल लगाना बेहतर है। तेल लगाते समय स्कैल्प और बालों की स्थिति पर ध्यान दें और अगर किसी तेल से खुजली, लालिमा या जलन होती है तो उसका इस्तेमाल बंद कर दें।

सामयिक चर्चा

नौकरी का जीवन, आनंद का जीवन

खबर पढ़कर
बानी बोल उठे- ''ये लो गजाधर!
आम आदमी पार्टी के दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन पर भाई!
फिर आफत आई। सुनिए, दिल्ली सरकार की
एन्टी करप्शन ब्रांच ने दिल्ली जल बोर्ड के
सीवेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट टेन्डर घोटाले में
बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने पूर्व जल मंत्री
सत्येन्द्र कुमार जैन के साथ-साथ
छह आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है।
इस पर गजाधर! आपके मन ने
आपसे क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की है?'
गजाधर मुस्कराए बोले- ''बानी! मेरे मन में तो यही बात आई
कि ये राजनीति में मंत्री-अंत्री बनना अच्छा नहीं होता भाई!
हमेशा कुछ न कुछ बखेड़ा चलते रहता है।
इसीलिए तो मेरा मन कहता है -
ये चार दिनिया मंत्री का लालच छोड़कर
किसी आफिस में नौकरी कर,
आराम से दिन बिताओ!
सबेरे दस बजे भोजन कर आफिस जाओ!
शाम को घर आओ। पत्नी और बच्चों के साथ घूमने जाओ
किसी होटल में मनपसंद चीजें खाओ।
फिर रात में सबके साथ मिलकर
हँसी-दिल्लगी करते, बातचीत करते,
आराम से खाना खाओ
और फिर भैया! निश्चिन्त मन
सुख सपने की दुनिया में खो जाओ!
न ईडी, एसीबी का डर।
न सीबीआई आए कभी घर।
(बुधवार 19 अगस्त 2026)

गिरीश बख्शी

कविता

प्रजातंत्र में जन-जवाबदेही

प्रजातंत्र में नैतिकता एवं जनता के प्रति जवाबदेही अनिवार्य घटक हैं। जनता के प्रति जवाबदेही प्रजातंत्र का अनिवार्य धर्म है।

शासन का निश्चित समय-निर्धारण जनता की सार्वभौमिकता का प्रमाण है। जिस जनता को चुनावी मौसम में 'जनार्दन' कहा जाता है, उसी के प्रति बर्बरता स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसकी अनदेखी करना तानाशाही की राह प्रशस्त करने जैसा है। कानून तोड़ने या पद का दुरुपयोग करने पर कानूनसम्मत कदम उठाना आवश्यक है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर बर्बरतापूर्ण व्यवहार स्वीकार्य नहीं हो सकता। हमारा सामाजिक परिवेश 'अनेकता में एकता' की सुदृढ़ आधारशिला पर खड़ा है। फिर भी प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चुने हुए जनसेवकों का रवैया जब जनता के प्रति संवेदनशीलता और जवाबदेही के विपरीत हो जाता है, तब यह एक विरोधाभासी अवधारणा को जन्म देता है।

यह विडंबना ही है कि

'जब तक यहाँ रहे बुधराम,
और वहाँ गए तो हो गए 'सुखराम'।'

इस उक्ति को समूल नष्ट करना होगा। जनसेवा पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के हितों के संरक्षण का संकल्प होना चाहिए। समर्पित भाव से जनता के हितों का संरक्षण करते हुए संपूर्ण सरकार को क्रमबद्ध एवं उत्तरदायी तरीके से कार्य करने की शपथ लेना ही सच्चे लोकतंत्र का आधार बनेगा। कानून का शासन ऐसा हो कि अपराधी चाहे कोई भी हो, उसके विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई हो।

'जो पकड़ा गया, वह अपराधी; जो नहीं पकड़ा गया, वह निर्दोष'। इस मानसिकता को समाप्त करना होगा, अन्यथा अनदेखे अपराधों का 'टिड्डी-दल' तैयार होता जाएगा। लोकतंत्र में सत्ता जनता से मिलती है और उसकी जवाबदेही भी जनता के प्रति ही होती है।

- गजेंद्र बख्शी, अधिवक्ता
रिद्धी-सिद्धी कालोनी, राजनांदगांव
मोबाईल- 9827184147

राशिफल

मेष

मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज बच्चों की तरफ से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, आज आपके मन में नए विचार आएंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा।

वृष राशि

वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है और ये यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। आज आपकी नौकरी में प्रमोशन हो सकता है, जिससे ऑफिस में आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज किसी करीबी रिश्तेदारों के आने से आपके घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन

मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी लेकिन आप लेन देन करते समय थोड़ी सतर्कता बरतें। आज आपको करियर को लेकर थोड़ी उलझन हो सकती है, आप अपने गुरु से करियर के बारे में परामर्श ले सकते हैं। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशनुमा बना रहेगा।

कर्क

कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने पिता का काम में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप बच्चों के लिए घर में अलग अलग तरह की डिशेज बना सकती है। आज बच्चों से आपको गुड न्यूज मिल सकती है, जिससे आपको गर्व महसूस होगा।

सिंह

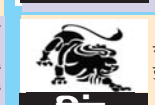

सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उपयोगी बना रहेगा। आज आपके सारे रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज दुकानदारों के लिए का दिन अच्छा रहेगा, आज आपकी अच्छी आमदनी होने के योग बन रहें है। आज लम्बे समय बाद आपको किसी दोस्त से मिलने का मौका मिलेगा, जिससे मिलकर आपको खुशी होगी।

कन्या

कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है, जिससे आपके व्यापार में ग्रोथ होगी। आज आपको किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज आप बच्चों के साथ शाम को बाहर घूमने जायेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य पहले से फिट रहेगा।

तुला

तुला राशि वालों आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप व्यर्थ के खर्चों को कम करने का प्रयास करें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको बिजनेस में दुगुना धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। आज ऑफिस में एक्स्ट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वालों आज का दिन के लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप अपने बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। आज काम कमी अधिकता रहेगी इसलिए आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें। इस राशि के लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

धनु

धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। आज ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपके काम को लेकर आपकी तारीफ कर सकते हैं। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं।

मकर

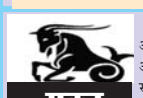

मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। आज आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिससे आपका मन काम में लगेगा। आज आप किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच पड़ताल जरूर कर लें। आज आप घर के बड़े-बुजुर्गों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

कुंभ

कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कई दिनों से रुके हुए काम में सफलता मिल सकती है, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। आज आप किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें, जिससे आपका काम शांति से हो जाये। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा।

मीन

मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है, आप जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद होगी। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा।

आवारा कुत्तों के आतंक से पूरा डोंगरगांव परेशान

निदान 1100 पर शिकायतों के बाद भी आवारा कुत्तों के आतंक से राहत नहीं

डोंगरगांव (दावा)। नगर पंचायत से पदोन्नत होकर नगर पालिका परिषद का दर्जा हासिल कर चुके डोंगरगांव शहर में बुनियादी नागरिक समस्याओं का समाधान अब भी अधर में लटका है. शहर की प्रमुख गलियों, चौक-चौराहों और वार्डों में आवारा कुत्तों की बढ़ती तादाद से आम नागरिक दहशत में हैं. विडंबना यह है कि शासन स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर निदान 1100 पर लगातार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है. शहर की गलियों में घूम रहे बड़ी संख्या में इन आवारा कुत्तों का यह मेटिंग सीजन है और बच्चे पैदा होने के बाद ये कुत्ते और भी आक्रामक हो जाते हैं। वहीं ये कुत्ते पालतू पशुओं के बच्चों को लगातार निशाना बना रहे हैं. छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आवारा कुत्तों के आतंक और रेबीज की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को सख्त प्रबंधन और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं लेकिन बावजूद इसके कार्यवाही शून्य है.

शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, रिहायशी कॉलोनियों और मंदिर परिसर के आसपास कुत्तों के झुंड का जमावड़ा देखा जा सकता है. स्थिति यह है कि राहगीरों, बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के पीछे अचानक दौड़ पडना आम बात हो गई है. सुबह स्कूल जाने वाले बच्चे और मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले बुजुर्ग सबसे अधिक भयभीत हैं. दोपहिया वाहनों के पीछे कुत्तों के झपटने से आए दिन लोग संतुलन खोकर गिर रहे हैं. शाम के समय बाजारों में ग्राहकों को भी आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

प्रशासनिक उदासीनता पर उठ रहे सवाल

शहरवासियों का आरोप है कि नगर पालिका का दर्जा मिलने के बाद भी अमले की कार्यप्रणाली पुरानी ही बनी हुई है. यदि समय रहते आवारा कुत्तों के उचित प्रबंधन, नसबंदी अभियान और टीकाकरण पर ध्यान नहीं दिया गया, तो कभी भी कोई बड़ी अप्रिय घटना घट सकती है और शहर में कुत्तों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है.

नागरिकों ने जिला प्रशासन और विभागीय उच्चाधिकारियों से मांग की है कि निदान 1100 की पेंडिंग शिकायतों की समीक्षा कर तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं.

निदान 1100 सिर्फ दिखावा

छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु टोल-फ्री नंबर 1100 (निदान सेवा) शुरू किया गया है. नागरिकों का कहना है कि आवारा कुत्तों के नियंत्रण (एनिमल बर्थ कंट्रोल और वैक्सीनेशन/ रेस्क्यू) के लिए इस नंबर पर कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई और टिकट नंबर भी प्राप्त हुए, लेकिन मैदानी स्तर पर नगर पालिका प्रशासन की ओर से अब तक कोई अभियान नहीं चलाया गया. नगर पंचायत से नगर पालिका का दर्जा मिलने पर उम्मीद थी कि सफाई, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं में सुधार होगा, पर स्थिति जस की तस है.

निःशुल्क रक्तदान शिविर में गंडई ब्लॉक अध्यक्ष ने किया रक्तदान

गंडई पंडरिया (दावा)। अवंती ज्ञानोदय समिति खैरागढ़ के तत्वाधान में अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती के पावन अवसर पर खैरागढ़ में आयोजित एक रक्तदान शिविर में गंडई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शत्रुहन (मन्नू चंदेल) ने स्वयं आगे आकर रक्तदान किया। इस सामाजिक और मानवीय पहल के दौरान उन्होंने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रक्त दान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद की बहुमूल्य जान बचाई जा सकती है। शिविर में समाज के अन्य युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शिविर को सफल बनाया। आयोजक समिति ने मन्नू चंदेल और सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज में ऐसे स्वास्थ्यवर्धक और कल्याणकारी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

पहला कॉलम...

अवैध शराब परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई : 2 आरोपी गिरफ्तार, 30 पौवा शराब व बाइक जब्त

डोंगरगढ़ (दावा)। अवैध शराब की बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत डोंगरगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 30 पौवा देशी मसाला शराब और घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल जब्त की गई है। पुलिस टीम द्वारा असामाजिक तत्वों एवं शराब कोचियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने प्रज्ञागिरी जाने वाले तिराहे स्थित हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी की। इस दौरान मोटर साइकिल पर अवैध रूप से शराब ले जा रहे दो व्यक्ति श्रवण कुभकार (22 वर्ष), पिता राधेलाल कुभकार, निवासी कुम्हार पारा डोंगरगढ़ व सलीमुद्दीन (57 वर्ष) पिता बशीरुद्दीन निवासी भगत सिंह चौक डोंगरगढ़ को रोककर पूछताछ व तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 30 पौवा रोमियो देशी मसाला शराब (कुल मात्रा 5.400 बल्क लीटर, अनुमानित कीमत 3,000) बरामद की गई। पुलिस ने शराब के साथ परिवहन में प्रयुक्त मोटर साइकिल क्रमांक सीजी-08-बीजी-4527 (कीमत 50,000) सहित कुल 53,000 का मशरूका जब्त किया। डोंगरगढ़ पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

खुर्सीपार-किरगी-सिंघोला मार्ग बदहाल, सड़क पर डामर गायब; ग्रामीणों का आवागमन दूभर

सड़क बनी जानलेवा : बारिश से बने बड़े-बड़े गड्ढे, कीचड़ में फिसल रहे दोपहिया वाहन, एम्बुलेंस पहुंचने में हो रही देरी, ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी से की स्थायी डामरीकरण की मांग

खुज्जी (दावा)। समीपस्थ ग्राम खुर्सीपार से किरगी-सिंघोला को जोड़ने वाला मुख्य संपर्क मार्ग लगातार हो रही बारिश के चलते पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क की स्थिति इतनी दयनीय है कि डामर का नामोनिशान तक नहीं बचा है। पूरा मार्ग गहरे गड्ढों, कीचड़ और गंदे पानी के दलदल में तब्दील हो चुका है। मार्ग की बदहाली के कारण दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोकर लगातार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं चारपहिया वाहन कीचड़ में फंसकर खराब हो रहे हैं। जिससे घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। इस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों किसान, मजदूर, स्कूली बच्चे और आम नागरिक जिला मुख्यालय व अस्पताल के लिए आवागमन करते हैं, जिन्हें जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बदहाल सड़क के चलते 108 एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाएं समय पर गांव तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे गंभीर मरीजों की जान पर बन आई है। बारिश पूर्व मरम्मत न कराए जाने से स्थिति और विकराल हो गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से मांग की है कि मार्ग की अविलंब मरम्मत कराई जाए। साथ ही समस्या के स्थायी समाधान हेतु सड़क का पूर्ण डामरीकरण और जल निकासी के लिए नालियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में 80 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्लॉक स्तरीय ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष पंचराम चंदेल के करकमलों द्वारा तिरंगा फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सभी ने राष्ट्रगान गाया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से राजेंद्र वर्मा, ईश्वर नेम, चैतराम चंदेल, रामगोपाल, शंकर दास कोरे, दशरथ बारले, बेदराम खरे, देवचरण चंदेल, देवानंद चंदेल, कुंज लता चंदेल, रामेश्वर खैरे, रामली बाई चंदेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। ब्लॉक अध्यक्ष पंचराम चंदेल के द्वारा स्कूल बच्चों को तिरंगा झंडा वितरण किया गया और वरिष्ठजनों को तिरंगा बैच लगाकर स्वागत किया।

बिना सुरक्षा उपकरणों के मैला ढोने का कार्य कराने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर

राजनांदगांव कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त सहित सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को जारी किए निर्देश

डोंगरगढ़ (दावा)। बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर अथवा सेप्टिक टैंक की सफाई कराने के मामले को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। हाथ से मैला ढोने के प्रतिषेध अधिनियम (एमएस एक्ट 2013 एवं छत्तीसगढ़ नियम 2014) के उल्लंघन को लेकर जिला कलेक्टर राजनांदगांव ने नगर पालिक निगम राजनांदगांव के आयुक्त सहित डोंगरगढ़ नगर पालिका और डोंगरगांव, छुरिया, लालबहादुर नगर व घुमका नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि कानून का उल्लंघन करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ महादलित परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष मयूर हथेल ने साक्ष्यों के साथ जिला प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपी थी।

शिकायत में बताया गया था कि नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के वार्ड क्रमांक 10 में एक निजी मकान के सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई। पालिका में प्लेसमेंट पर कार्यरत चार सफाई कर्मचारियों को बिना किसी सुरक्षा किट, ग्लव्स, मास्क या आवश्यक उपकरणों के टैंक में उतार दिया गया। अधिकारियों के निर्देश पर संकरी गली में बिना सुरक्षा सफाई कराने का मामला सामने आने के बाद पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। शिकायत पत्र की प्रति संलग्न करते हुए कलेक्टर कार्यालय से जारी पत्र में सभी नगरीय निकायों को नियमानुसार तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 की धारा-7 के तहत किसी भी व्यक्ति को खतरनाक परिस्थितियों में बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के सीवर या सेप्टिक टैंक की सफाई में लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस कानून का उल्लंघन करने पर जिम्मेदार अधिकारियों व नियोक्ताओं के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में कारावास और भारी जुर्माने का स्पष्ट कानूनी प्रावधान है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर वरिष्ठ फोटोग्राफरों का हुआ सम्मान

फोटोग्राफर संघ ने किया पौधारोपण

डोंगरगांव (दावा)। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर डोंगरगांव फोटोग्राफर संघ द्वारा किलाडोंगरी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर फोटोग्राफी के क्षेत्र में लंबे समय से योगदान दे रहे वरिष्ठ फोटोग्राफरों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ फोटोग्राफर हेमंत यारदा, धर्मपाल चौधरी एवं सरजूराम साहू को फोटोग्राफी के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान तथा नई पीढ़ी के फोटोग्राफरों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए प्रतीक स्वरूप गमछा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित फोटोग्राफरों ने एक-दूसरे से अपना परिचय साझा किया तथा फोटोग्राफी के क्षेत्र में अपने अनुभवों और सफर के बारे में बताया। वरिष्ठ फोटोग्राफरों ने बताया कि कई लोगों ने शुरुआत में केवल शौक के तौर पर कैमरा उठाया था, लेकिन धीरे-धीरे यही शौक जुनून में बदल गया और फोटोग्राफी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई। कार्यक्रम में फोटोग्राफी के बदलते स्वरूप, नई तकनीकों और इस क्षेत्र में आने वाली नई पीढ़ी को मार्गदर्शन देने को लेकर भी अनुभव साझा किए गए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण कर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में धर्मपाल चौधरी, हेमंत यारदा, सरजूराम साहू, ओमकार साहू, हेमंत साहू, शिवम साहू, तीरथराज देवांगन, राज दुबे, जागेश्वर साहू, मनीष साहू, लोकेन्द्र सिंह, केदार नोन्हारे, तुषार साहू, अमित ढीमर, मनीष पांडे, सोनू साहू एवं बुधुलाल चक्रधारी सहित फोटोग्राफर संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

कार ने मोपेड को मारी टक्कर, पिता-पुत्री में बेटी की मौत

कवर्धा। जिले के कुंडा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से मोपेड सवार युवती की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मुंगेली-पंडरिया मार्ग पर डोमसरा गांव के पास बिजली ऑफिस के सामने हुआ। घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार डोमसरा निवासी 35 वर्षीय फुलेश्वरी निर्मलकर अपने पिता के साथ खेत से काम करके मोपेड से घर लौट रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फुलेश्वरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए।

शिकायत पर प्रशासन का त्वरित एक्शन : गातापार जंगल स्कूल में 4 शिक्षकों की तत्काल व्यवस्था, सुधरेगी शैक्षणिक व्यवस्था

खैरागढ़ (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गातापार जंगल में शिक्षकों की कमी को लेकर मिली शिकायत पर जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लिया है। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसे प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने तत्काल 4 शिक्षकों की व्यवस्था कर दी है, जिससे स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।

जारी आदेश के अनुसार शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गातापार जंगल से 3 शिक्षक हरिता वर्मा, विश्वेश्वर जंघेल एवं भूपेंद्र सिंह ठाकुर को आगामी आदेश तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गातापार जंगल में अध्यापन कार्य के लिए निर्देशित किया गया है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गातापार जंगल में पदस्थ रसायन शास्त्र की व्याख्याता कुंभलता नेताम का पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी शासकीय स्कूल खैरागढ़ के लिए जारी पूर्व अध्यापन आदेश निरस्त कर दिया गया है। उन्हें उनकी मूल संस्था (गातापार जंगल) में ही यथावत अध्यापन कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इस व्यवस्था से विद्यालय में निर्धारित कालखंड (पीरियड्स) के अनुसार नियमित कक्षाएं संचालित हो सकेंगी और पाठ्यक्रम को समय पर पूरा कराने में मदद मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा स्कूल प्राचार्य को निर्देश दिए गए हैं कि वे शिक्षकों की उपस्थिति और विषयवार अध्यापन व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा संचालन की रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में प्रस्तुत करें। प्रशासन की इस तत्परता से छात्रों और अभिभावकों में राहत है।

रॉयल किड्स कॉन्वेंट छुरिया में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

माजी अन्नपूर्णा देवी सिंह की स्मृति में पत्रकार, शिक्षक एवं मेधावी विद्यार्थी हुए अलंकृत

छुरिया (दावा)। स्थानीय रॉयल किड्स कॉन्वेंट स्कूल में 78वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में संस्था की आशीर्वादक स्वर्गीय माजी अन्नपूर्णा देवी सिंह की पावन स्मृति में विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज, शिक्षा और अध्ययन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के डायरेक्टर जन्मेजय बहादुर सिंह एवं श्रीमती जानवी सिंह द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। राष्ट्रगान के बाद संस्था के पितृपुरुषों–स्वर्गीय राजकुमार लाल शंकर बहादुर सिंह, स्वर्गीय माजी अन्नपूर्णा देवी सिंह एवं संस्थापक स्वर्गीय डॉ. जे.बी. सिंह की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, प्रेरक भाषण और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संस्था द्वारा निष्पक्ष एवं समर्पित पत्रकारिता के लिए छुरिया पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजीव गुप्ता एवं संगठन सचिव मनभावन उइके को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षिका श्रीमती शोबीना मेमन, श्रीमती श्रुति गुप्ता एवं श्रीमती रेशमा सिन्हा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। वहीं विद्यालय के मेधावी एवं अनुशासित विद्यार्थियों–हर्षित पाल, नव्या वैष्णव, संस्कृति साहू, तृप्ति साहू, आयान खान, यशवर्धन साहू, आफिया फातिमा, आजमीन खान, युभासाना सांगोले एवं आरवी यादव को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए पत्रकार संघ अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने कहा कि पत्रकारिता सत्य, न्याय और जनहित का संकल्प है। उन्होंने ग्रामीण अंचल में अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव रखने के लिए संस्था के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। संस्था के डायरेक्टर जन्मेजय बहादुर सिंह ने शिक्षा को सच्ची स्वतंत्रता का आधार बताते हुए छात्रों को परिश्रम और श्रेष्ठ चरित्र निर्माण का संदेश दिया। प्रशासक संजय बहादुर सिंह ने स्वतंत्रता के साथ राष्ट्रीय कर्तव्यों और अनुशासन के पालन पर जोर दिया। प्राचार्य गोपाल साहू ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माजी अन्नपूर्णा देवी सिंह की स्मृति में शुरू किया गया यह सम्मान समारोह अब प्रतिवर्ष आयोजित होगा, ताकि प्रतिभा और निष्ठा को निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधान पाठिका श्रीमती शारदा सिंह गौर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, डायरेक्टर सावंत बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह, श्रीमती इला सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल एवं बरसर डॉ. आई.के. वैष्णव सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

त्यौहार सीजन पर खाद्य विभाग का खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

खैरागढ़ (दावा)। 'बने खाबो, बने रहिबो 2.0' विशेष अभियान के द्वितीय दिवस खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा एवं अभिहित अधिकारी सिद्धार्थ पांडे के मार्गदर्शन में ठेलकाडीह क्षेत्र स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत मेसर्स बालाजी स्वीट्स का निरीक्षण कर वहां से खोवा, मोतीचूर लड्डू एवं मैसूर पाक के कुल तीन विधिक नमूने जांच के लिए संकलित किए गए। इन नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जाएगा। इसी क्रम में मेसर्स कान्हा बेकरी का भी निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान संचालक को एनालॉग पनीर एवं अन्य सदृश उत्पादों का विक्रय अथवा भंडारण नहीं करने, खाद्य प्रतिष्ठान में आवश्यक साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीयन को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान के माध्यम से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मिलावटी एवं अमानक खाद्य सामग्री के विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया है।

ग्राम पंचायत भाजीडोंगरी में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस, फहराया गया तिरंगा

(गंभीरदास मानिकपुरी)

साल्हेवारा (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर ग्राम पंचायत भाजीडोंगरी में गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान का गायन किया गया तथा देश के अमर शहीदों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत के सरपंच पंचूराम, सचिव रामलाल साहू एवं सभी पंचगण उपस्थित रहे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को राष्ट्रीय पर्व की बधाई देते हुए गांव के विकास और एकता का संकल्प दोहराया। आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह व उमंग के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।

ग्राम पंचायत नचनिया में हर्षोल्लास के साथ मना स्वतंत्रता दिवस, हुआ ध्वजारोहण

साल्हेवारा (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत नचनिया में गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान का गायन किया गया और देश की आजादी के वीर शहीदों को नमन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत के सरपंच यशवंत धुर्वे, उप सरपंच, सचिव मटुक मेरावी सहित पंचायत के सभी पंचगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी, युवा एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया और एक-दूसरे को राष्ट्रीय पर्व की बधाई दी।

वनांचल ग्राम घोटिया में 10 लाख की लागत से बनने वाले यादव समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

डोंगरगढ़ (दावा)। विकासखंड के वनांचल ग्राम घोटिया स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में विकास, पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। यहां 10 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत यादव समाज के नवीन सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण तथा नागपंचमी का पावन पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजनांदगांव नगर निगम के महापौर एवं पूर्व सांसद मधुसूदन यादव थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष हीरा वर्मा, भाजपा जिला संगठन महामंत्री जैन कुमार मेश्राम, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनिल सिन्हा, महामंत्री रवि यादव, जनपद सदस्य नीरज तेजलाल

सामुदायिक भवन सामाजिक एकता का बनेगा प्रतीक : महापौर मधुसूदन यादव

छेड़ैया, डिप्टी रेंजर चंद्राकर एवं स्वास्थ्य विभाग से उग्रसेन वर्मा उपस्थित रहे। ग्राम घोटिया पहुंचने पर ग्रामीणों व यादव समाज के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव एवं अतिथियों का पारंपरिक वेशभूषा 'खुमरी' पहनाकर गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं समाज प्रमुख रेखराम यादव के करकमलों से विधि-विधानपूर्वक सामुदायिक भवन का भूमिपूजन संपन्न हुआ।

पौधारोपण, नाग पूजन व आदिवासी नृत्य

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत महापौर श्री यादव सहित उपस्थित अतिथियों ने शाला परिसर में फलदार व छायादार पौधे रोपे। नागपंचमी के अवसर पर विद्यार्थियों ने मिट्टी से शिवलिंग व नागदेवता की मनमोहक प्रतिमाएं बनाकर पारंपरिक रूप से दुग्धाभिषेक, बेलपत्र व श्रीफल अर्पित कर पूजन किया। वहीं छात्राओं द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक आदिवासी नृत्य ने समारोह में समां बांध दिया।

संस्कृति व सामाजिक एकजुटता पर जोर

मारोह को संबोधित करते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि यह सामुदायिक भवन यादव समाज की सामाजिक एकता और विकास का सशक्त केंद्र बनेगा। बच्चों द्वारा किया गया पारंपरिक पूजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का प्रमाण है। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर शाला में बाउंड्रीवाल (आहाता) निर्माण एवं अतिरिक्त कक्ष के लिए शीघ्र प्रस्ताव तैयार कराकर स्वीकृति दिलाने का आश्वासन दिया।

नीरज विद्या मंदिर में नशामुक्ति अभियान : विद्यार्थियों ने ली नशा से दूर रहने की प्रतिज्ञा

डोंगरगांव (दावा)। स्थानीय प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान नीरज विद्या मंदिर (सीबीएसई), मोहड़ में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय (डोंगरगांव केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था के प्राचार्य जिवेश द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में प्राचार्य श्री द्विवेदी ने कहा कि नशा परिवार को विघटित कर देता है और आज के समय में इसके दुष्प्रभावों से बचना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुसंगति, नैतिक संस्कार और सही मार्गदर्शन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

माँ शीतला मंदिर माता देवाला ध्वजारोहण के साथ पौधारोहण

स्व. पुजारियों के नाम पांच पौधों का पौधारोहण

राजनांदगांव (दावा)। शीतला मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर के वरिष्ठ पुजारी सुरेश कुमार दुबे, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा साहू भ.स.रा. महासभा नई दिल्ली, सुबेदार भूतपूर्व सैनिक राजेश शर्मा, अमलेन्दु हाजरा पूर्व लोकपाल,देवेन्द्र मोहन लाला देबु सचिव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, शैलेन्द्र तिवारी पूर्व संचालक कृषि विभाग, कृष्णा गुरूजी संरक्षक कायस्थ महासभा, राजमहाराज, अनुराधा दुबें, गिरीश परिहार, बलराम यादव, सुरेश यदु इस अवसर पर पुजारी परिवार के पूर्वजों के नाम पर पौधारोपण किया गया।

मंदिर के पूर्व पुजारी स्व. संतोषी प्रसाद दुबे तोखी महाराज, लक्ष्मीनारायण दुबे डोंगरू महाराज, स्व. रामशरण दुबे, स्व. भोलाप्रसाद दुबे, रूपेश कुमार दुबे जानी महाराज के नाम पर मंदिर से गुरूद्वारा रोड में सडक़ के किनारे पौधा रोहण किया इसके पूर्व मंदिर से दिग्विजय तक पौधा रोहण किया जा चुका है।

संकुल स्तरीय खेलकूद एवं बौद्धिक प्रतियोगिता : सरस्वती शिशु मंदिर आमगांव के छात्र-छात्राओं ने 39 अंक पाकर हासिल किया द्वितीय स्थान

तुमड़ीबोड़ (दावा)। सरस्वती शिशु मंदिर तुमड़ीबोड़ में आयोजित तीन दिवसीय संकुल स्तरीय क्रीड़ा एवं बौद्धिक प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर आमगांव के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संकुल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में अर्जुनी, टेड़ेसरा, आसरा, खुज्जी, आमगांव, मोहड़, तुमड़ीबोड़, गैंदाटोला एवं साल्हेटोला सहित विभिन्न विद्यालयों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। आमगांव विद्यालय के 19 छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट खेल भावना और कौशल का परिचय देते हुए कुल 39 अंक हासिल किए। इसमें पूर्व माध्यमिक विभाग (बाल वर्ग) की बहनों ने खो-खो में प्रथम स्थान तथा बाल वर्ग के

खो-खो, एथलेटिक्स एवं बौद्धिक स्पर्धाओं में भैया-बहनों ने लहराया परचम, जिला स्तर के लिए हुए चयनित

भैयाओं ने खो-खो में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यार्थियों की प्रमुख उपलब्धियां

भैया वर्गः खो-खो में द्वितीय स्थान, रिले रेस में प्रथम स्थान (भैया यमन एवं साथी), प्रथम स्थान (बहन दामिनी एवं साथी), 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान (बहन हिना), गोला फेंक में प्रथम स्थान (बहन राजेश्वरी), तवा फेंक में द्वितीय स्थान (बहन राजेश्वरी), एकल भजन में द्वितीय स्थान (बहन राजेश्वरी), एकल अभिनय में प्रथम स्थान (बहन दामिनी), स्वरचित कविता में द्वितीय स्थान (बहन दामिनी) आदि रही। विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शाला के प्रधानाचार्य श्री भोलाराम देवांगन, जिला ग्राम भारती की अध्यक्ष श्रीमती बूंदा वर्मा, संकुल प्रभारी व अर्जुनी के प्रधानाचार्य डामन जोशी, संकुल एवं जिला खेल प्रभारी गणेशराम भोयर तथा संरक्षक दीदी कु. कुमकुम साहू व कु. जागेश्वरी साहू ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी।

धरमूटोला में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस : प्रभात फेरी निकाली, बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

छुरिया (दावा)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धरमूटोला में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर सुबह शाला परिसर से विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति नारों और गीतों के साथ भव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जिसने गांव की प्रमुख गलियों का भ्रमण किया। प्रभात फेरी के ग्राम पंचायत परिसर पहुंचने पर सरपंच भानुप्रताप कोमरे ने विधिवत ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत शाला परिसर में शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) के शेषलाल मंडावी एवं आंगनबाड़ी केंद्र में श्रवण मंडावी द्वारा ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई।

ध्वजारोहण के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, कविता पाठ और आकर्षक समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित ग्रामीणों का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर अर्जुन सिन्हा, मनराखन श्याम, मोहन साहू, हेमलाल सिन्हा, रेवाराम सिन्हा, खेमलाल जांगड़े, प्रधान पाठक फानेश्वर निषाद, प्रधान पाठक हरिश्चन्द्र बंजारे, उत्तम प्रसाद दुबे, श्रीमती ऋचा त्रिपाठी, एच.के. कुंभकार, पंचराम सिन्हा, ठाकुर राम, ललिता बाई, जंत्री बाई, जामवती मंडावी, प्रियंका जगने, रूखमणी बाई, गैन्दबाई, दीपक बाई, लाकेश्वरी बाई सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, पालकगण एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

'खूब खेलो, खूब पढ़ो और आगे बढ़ो' : संकुल स्तरीय बौद्धिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन पर बोले महापौर मधुसूदन यादव

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम नागतराई स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित दो दिवसीय संकुल स्तरीय बौद्धिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव रहे। कार्यक्रम में नागतराई पहुंचने पर पूर्व सरपंच श्रीमती क्षत्री वर्मा एवं ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि आज के दौर में खूब खेलो, खूब पढ़ो और आगे बढ़ो का मंत्र प्रासंगिक है। पुराने समय की कहावत खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब अब बदल चुकी है, क्योंकि खेल भी भविष्य निर्माण का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी और पराजित बच्चों को निरंतर अभ्यास कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मुख्य अतिथि ने विद्यालय के प्रत्येक आचार्य को 'एक पौधा मां के नाम' के तहत विद्या का पौधा भेंट किया।

14 सरस्वती शिशु मंदिरों के 400 बच्चों ने दिखाया दम, मुख्य अतिथि ने आचार्यों को भेंट किए पौधे और विद्यालय को 25 फर्नीचर देने की घोषणा की

मुख्य अतिथि श्री यादव ने अपने संबोधन के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर नागतराई के लिए 25 नग फर्नीचर देने की घोषणा की तथा भविष्य में विद्यालय हेतु एक विशाल सामुदायिक भवन निर्माण का आश्वासन दिया। वहीं पूर्व जनपद सदस्य व अति विशिष्ट अतिथि रविंद्र अग्रवाल, जिन्होंने पूर्व में 10 नग फर्नीचर देने की घोषणा की थी, ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और संस्कारों का पाठ पढ़ाया जाता है।

14 विद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

प्रतियोगिता में नागतराई, बेलगांव, मुसरा, मेढ़ा, ढारा, रामाटोला, आलीवारा, लाल बहादुर नगर, पाटेकोहरा, चारभाठा सहित कुल 14 सरस्वती शिशु मंदिरों के लगभग 400 भैया-बहनों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा दिखाई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य तामेश्वर साहू, सरपंच श्रीमती नारायणी मंडावी, सरपंच श्रीमती महेश्वरी रंजीत यादव (हरनसिंधी) एवं पूर्व सरपंच भुवन दास वर्मा उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता जिला ग्राम भारती राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती बुंदा वर्मा ने की। मंच पर जनपद उपाध्यक्ष हीरा वर्मा, रविंद्र अग्रवाल, भाजपा जिला मंत्री जैन कुमार मेश्राम, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनिल सिन्हा, संकुल प्रभारी ढाल चंद यादव, उप सरपंच कुम्भलाल वर्मा एवं पूर्व सरपंच श्रीमती क्षत्री वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आशाराम पटेल ने किया। अंत में कार्यवाहक अध्यक्ष पूरनलाल पटेल, अध्यक्ष माखन पटेल, प्रधानाचार्य ए.आर. पटेल एवं विद्यालय परिवार द्वारा आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रवि यादव, उपकार साहू, नंद साहू, भुवन वर्मा, गोपी वर्मा, मोहन साहू, किशुन यदु, हेमकुमार साहू, रामखिलावन दुबे, डिहू पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आचार्य उपस्थित थे।

सीडब्ल्यूसी बैठक: वंदे मातरम पर नहीं....

खिलाफ देश में हुए आंदोलनों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार ने इन आंदोलनों से जिस तरह निपटा, उस पर भी सीडब्ल्यूसी में विचार किया गया। उन्होंने दावा किया कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष सफल रहा और सरकार दबाव में रही।

0 शिक्षा व्यवस्था में क्या बदलाव चाहती है कांग्रेस?: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से शिक्षा विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। इसका उद्देश्य शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। मुख्यमंत्रियों से इस संबंध में रिपोर्ट तैयार कर खरगे को सौंपने को कहा गया है। कांग्रेस ने राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को आगे जारी रखने का फैसला किया है। पार्टी के मुताबिक, ऐसे कार्यक्रम अब 800 शहरों में आयोजित किए जाएंगे। इनमें से कुछ कार्यक्रमों का नेतृत्व राहुल गांधी खुद करेंगे।

0 अरुणाचल प्रदेश में चीन के मुद्दे पर क्या कहा?: सीडब्ल्यूसी बैठक में अरुणाचल प्रदेश में 'चीनी घुसपैठ' के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में 'सरेंडर पॉलिसी' अपना रही है। पार्टी ने इस मुद्दे को भी सरकार के खिलाफ अपने राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाया है।

0 महिला आरक्षण और शुद्धीकरण पर कांग्रेस ने क्या कहा?: वेणुगोपाल ने बताया कि CWC में महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस का रुख दोहराया गया। पार्टी की मांग है कि महिलाओं को आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों के आधार पर ही लागू किया जाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उत्तराखंड में खरगे के कार्यक्रम के बाद हुए कथित 'शुद्धीकरण' को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश से माफी मांगने की मांग की। केसी वेणुगोपाल ने जातीय जनगणना के प्रश्नावली में OBC कॉलम नहीं होने को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर पहले भी चर्चा कर चुकी है और पार्टी अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस इस मामले को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और सरकार से पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब चाहती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि OBC के लिए अलग कॉलम नहीं होने से सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे ऐसा लगता है कि सरकार जातीय जनगणना को ही विफल करना चाहती है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को इस मामले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जातीय जनगणना में इस तरह की स्थिति क्यों पैदा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को एक बार फिर उठाएगी।

रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए....

पूरा किया जाएगा। इस परियोजना से पारादीप बंदरगाह तक कोयला, कच्चा माल और औद्योगिक उत्पादों की आवाजाही बेहद सुगम होगी। रेलवे लाइनों के इस चौगुनीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग से मालगाड़ियों की औसत गति में उल्लेखनीय सुधार होगा और बंदरगाहों से अंतर्देशीय बाजारों तक माल ढुलाई की लागत में बड़ी कमी आएगी।

0 बिहार में मुजफ्फरपुर से सोनबरसा तक 3,591 करोड़ से बनेगा 4-लेन हाईवे: सड़क परिवहन के मोर्चे पर कैबिनेट ने बिहार में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा (भारत-नेपाल सीमा) तक चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इस रणनीतिक सड़क परियोजना पर कुल 3,591 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

यह फोर-लेन कॉरिडोर उत्तर बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ भारत और नेपाल के बीच सीमा पार व्यापार और धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।इतिहास

0 लाखों नए रोजगार और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा: पीएम गति शक्ति के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं न केवल विभिन्न राज्यों के बीच निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि निर्माण और संचालन के दौरान लाखों मानव-दिवस के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर भी पैदा करेंगी। इसके अतिरिक्त, सड़क से रेल मार्ग पर माल ढुलाई के शिफ्ट होने से ईंधन की भारी बचत होगी और देश के कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी, जो भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होगा।

तेजस्वी का राजभवन मार्च: बैरिकेडिंग तोड़ी...

0 इनकम टैक्स चौराहे पर वाटर कैननः प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने इनकम टैक्स चौराहे के पास वाटर कैनन का इस्तेमाल किया. पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की. ASP लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद ने जवानों को संयम बरतने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि झंडे का सम्मान रखा जाए और लाठी का इस्तेमाल समझदारी से किया जाए.

0 तेजस्वी और मीसा भारती हिरासत में: मार्च के दौरान पुलिस ने तेजस्वी यादव और आरजेडी सांसद मीसा भारती को हिरासत में ले लिया. दोनों को सचिवालय थाना ले जाया गया. करीब एक घंटे बाद दोनों को छोड़ दिया गया. बाहर आने के बाद तेजस्वी ने साफ कहा कि वह जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं. उन्होंने कहा, हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था. जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है. हिरासत से बाहर आने के बाद तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला. उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों पर एके-47 चलाने का आदेश किसने दिया था. तेजस्वी ने कहा कि इस घटना की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए. जब तक मुख्यमंत्री जिम्मेदारी तय नहीं करते और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक RJD का संघर्ष जारी रहेगा.

जम्मू-कश्मीर भारत का बेहद अहम हिस्सा....

अनुच्छेद 370 हटने के बाद किसी अमेरिकी राजदूत का यह पहला स्वतंत्र और उच्चस्तरीय कश्मीर दौरा है। श्रीनगर में प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व से संवाद स्थापित करने के बाद सर्जियो गोर गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए रवाना होंगे। रणनीतिक जानकारों का मानना है कि अमेरिकी विशेष दूत का यह दौरा न केवल भारत-अमेरिका संबंधों को प्रगाढ़ करता है, बल्कि सीमा पार से अशांति फैलाने की कोशिशों को भी कड़ा कूटनीतिक जवाब देता है।

गडकरी ने अपने ही अधिकारियों पर....

हैं कि जीएसटी रिकॉर्ड के आधार पर जांच हो कि ठेकेदार ने किसी टेंडर में कितने सब-कॉन्ट्रैट दिए, क्योंकि इसके भी कुछ नियम हैं। ठेकेदार सब-कॉन्ट्रैक्ट करते हैं और गुणवत्ता खराब होने पर बदनाम वह होते हैं। एक बार फिर घटिया डीपीआर को बड़ी समस्या बताते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि घर बैठकर गूगल से डीपीआर बनाई जाती है। उसकी वजह से सड़क हादसे हो रहे हैं, देश का नुकसान हो रहा है। गडकरी ने कहा कि वह डीपीआर के लिए नियम चाहते थे कि जिस डीपीआर कंसल्टेंट के पास 51 प्रतिशत स्टेक इंटरनेशनल कंपनी के हों, उसे ही काम दिया जाए, लेकिन हमारे यहां लोगों ने इसे लचीला बना दिया। उन पर भी नजर है, छोड़े नहीं जाएंगे। गडकरी ने दावा किया कि ऐसी व्यवस्था बनाने जा रहे हैं कि ठेकेदारों और डीपीआर कंसल्टेंट का परफार्मेंस आडिट कराया जाए। उनकी रेटिंग के आधार पर ही तय हो कि भविष्य में वह कोई टेंडर लेने के योग्य रहेंगे या नहीं।

झारखंड में 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द...

से प्रदर्शनकारियों से परिसर खाली करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए परिसर के भीतर किसी भी प्रकार का घेराव या आंदोलन गैरकानूनी है।साउथ एशियन कल्चरल इवेंट्स खोजना नियमों का उल्लंघन करने पर विधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। वहीं, कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भरोसा दिलाया कि सरकार सफल अभ्यर्थियों की चिंताओं को समझती है और जल्द ही इसका सकारात्मक समाधान निकाला जाएगा।

0 संस्थानों में विश्वास बहाली के लिए लिया गया कड़ा फैसला-मंत्री शिल्पी नेहा तिर्कीः झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कैबिनेट के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में घंटों चली गहन बैठक के बाद यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा संचालन में शामिल एजेंसी टीडीपीएल की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के कारण युवाओं के विश्वास को बहाल करने के लिए यह निर्णय आवश्यक था। सरकार पारदर्शी व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भविष्य में किसी भी योग्य छात्र के साथ अन्याय न हो।

बच्चों को प्रॉपर्टी से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता: सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बढ़ती उम्र का मतलब अपमान-असुरक्षा नहीं; हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार कहा कि बुजुर्ग माता-पिता को अपने घर में सम्मान और सुरक्षा के साथ रहने का अधिकार है। अगर बेटे या बहू का घर में रहना बुजुर्ग के भरण-पोषण या सुरक्षा में बाधा बन रहा है, तो वह उन्हें अपने बच्चों को घर से बेदखल कर सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब अपमान या असुरक्षा के साथ रहना नहीं है। सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कितना सम्मान और सुरक्षा का व्यवहार करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश लखनऊ के रवि कांत गुप्ता से जुड़े मामले में सुनाया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसमे अपने बेटे और बहू को घर से निकालने के सख्तरू और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया था। रवि कांत गुप्ता लखनऊ के विकास नगर में रहते हैं। उनकी 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा था। आरोप था कि उनके बेटे यानी गुप्ता के पोते ने उन्हें घर में रहने नहीं दिया। आरोप

था कि उसके बेटे ने ऐसा व्यवहार किया कि उन्हें घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। इसके बाद SDM ने 15 नवंबर 2022 को बेटे को मकान से निकालने का आदेश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने 9 अगस्त 2023 को इस आदेश को बरकरार रखा और बेटे-बहू को मकान खाली करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने कहा था- कानून में बेदखली का अधिकार नहीं

बेटे और बहू ने SDM और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल को वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं है। इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों आदेश रद्द कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरत पड़ने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है।

खुशी आजीविका संकुल संगठन करमरी बिहान के वार्षिक अधिवेशन में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का संकल्प

जिपं अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा - महिलाओं की आत्मनिर्भरता से मजबूत होगा परिवार और समाज

छुरिया (दावा)। खुशी आजीविका संकुल संगठन करमरी बिहान द्वारा वार्षिक अधिवेशन एवं आमसभा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा ने की, जबकि अति विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत राजनांदगांव सभापति श्री गोपाल भुआर्य जनपद पंचायत छुरिया सदस्य- श्रीमती हरिला चंद्रवंशी, श्रीमती जैमुन बाई, श्री उभेयराम मंडावी, संरपंच संघ अध्यक्ष श्री दीनदयाल साहू, श्री भूपेन्द्र नायक पूर्व जनपद सदस्य, श्री शिशुपाल साहू मीडिया प्रभारी, श्री लक्ष्मण साहू, श्री लीलाराम साहू धनंजय गंजीर, श्री कासीम भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिहान से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। महिला शक्ति को संगठित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ना समाज के विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है और यही परिवार आगे चलकर मजबूत समाज एवं मजबूत गांव का निर्माण करता है। उन्होंने बिहान समूह की महिलाओं की मेहनत, लगन और संगठन भावना की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानकर नए-नए क्षेत्रों में आगे बढ़ें तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आजीविका को और मजबूत करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं के हाथों में आर्थिक आत्मनिर्भरता की ताकत आने से गांवों की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष श्री संजय सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बिहान समूह ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को एकजुट करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

उन्होंने कहा कि समूह की महिलाओं ने बचत और आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है। अति विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत राजनांदगांव सभापति श्री गोपाल भुआर्य ने कहा कि बिहान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं केवल परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाकर अपने परिवार और समाज को आगे बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। साथ ही कार्यक्रम में अतिथियों ने महिलाओं से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं आजीविका गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और संगठन के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

ठेकवा एनीकट के विस्तार से ठेकवा, कन्हारढबरी, कसारी और हरदी को मिलेगा सिंचाई का लाभ, ग्रामीणों ने उठाई मांग - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगांव विधानसभा के ग्राम हरदी में किसान चौपाल के माध्यम से किसानों एवं ग्रामीण जनों से आत्मीय जनसंवाद कर सचिव, जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव (ग्रामीण) विष्णु लोधी ने क्षेत्र की समस्याओं एवं ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से सुना।

किसान चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सिंचाई, सड़क, बिजली एवं कृषि से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए।ग्रामीणों ने ठेकवा एनीकट का जलाशय के रूप में विस्तार कर एक अतिरिक्त कैनाल के निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना है कि इस कार्य से क्षेत्र में सिंचाई का दायरा बढ़ेगा और ठेकवा, कन्हारढबरी, कसारी एवं हरदी सहित आसपास के किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

किसानों के लिए सिंचाई सुविधा का विस्तार खेती की लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।ग्रामीणों ने हरदी से बाकल तक सड़क निर्माण की मांग भी प्रमुखता से रखी। इसके साथ ही बिजली दरों में की गई पांच बार की बढ़ोतरी तत्काल वापस लेने, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू करने, स्मार्ट मीटर हटाकर सामान्य मीटर लगाने, अधिक बिजली बिल के नाम पर की गई अतिरिक्त वसूली वापस करने तथा क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग रखी।किसानों ने खाद की कीमतें कम करने एवं समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने 3,286 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी करने तथा पिछले दो वर्षों में समर्थन मूल्य में हुई वृद्धि की राशि किसानों को देने की मांग भी रखी।

शासकीय प्राथमिक शाला सेनडोंगर में मना स्वतंत्रता दिवस : मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कक्षा पांचवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कु. नीलम, खुशाल और नीलेश को मिला स्मृति चिह्न

डोंगरगढ़ (दावा)। संकुल मुंगलानी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला सेनडोंगर में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा निकाली गई प्रभातफेरी से हुआ, जिसके उपरांत शाला परिसर में विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

समारोह के दौरान विगत शैक्षणिक सत्र में कक्षा पांचवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु. नीलम तथा संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खुशाल एवं नीलेश को उपसरपंच रामाधार ओझा, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष झनकराम निषाद एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा मोमेंटो (स्मृति चिह्न) प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि, लगन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से शाला के शिक्षक देवेंद्र खोब्रागढ़े द्वारा अपने पिता स्व. कृपाराम खोब्रागढ़े की स्मृति में प्रतिवर्ष यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में माखन कोसरिया, चतुर राम ओझा, धुर्वाराम ओझा, राम्हूराम ओझा, मनराखन कोसरिया सहित बड़ी संख्या में पालक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानपाठक सुधाकर धरमगुड़े ने किया तथा आभार प्रदर्शन शिक्षक देवेंद्र खोब्रागढ़े द्वारा किया गया।

रेंगाकठेरा में नवीन आधार सेवा केंद्र का शुभारंभ

ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर मिलेंगी ऑनलाइन सुविधाएं

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम पंचायत रेंगाकठेरा के पंचायत भवन में नवीन आधार सेवा केंद्र का लोकार्पण जिला पंचायत राजनांदगांव की सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस केंद्र की स्थापना से रेंगाकठेरा सहित आसपास के ग्रामीणों को आधार कार्ड तथा विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ अब गांव में ही मिल सकेगा।

इस केंद्र पर नए आधार कार्ड बनवाने, नाम व पते में संशोधन, आधार अपडेट और विवाह उपरांत पिता के स्थान पर पति का नाम दर्ज कराने जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ ही पंचायत भवन से अन्य जरूरी ऑनलाइन सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी।

सरस्वती शिशु मंदिर में धूमधाम से मना नागपंचमी पर्व : नन्हे बच्चों ने धरी शिव परिवार की वेशभूषा

डोंगरगढ़ (दावा)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डोंगरगढ़ में नागपंचमी का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश यादव, वरिष्ठ आचार्य सुरेश दास वैष्णव, थैलेश साहू एवं विनोद ताम्रकार द्वारा विधि-विधान से की गई पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

इस अवसर पर आचार्यों ने विद्यार्थियों को नागपंचमी के आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व से अवगत कराया। जिसमें वरिष्ठ आचार्य सुरेश दास वैष्णव ने तक्षक नाग और कालिया नाग से जुड़े पौराणिक प्रसंगों की जानकारी दी। वरिष्ठ आचार्य थैलेश साहू ने समुद्र मंथन एवं शेषनाग के संदर्भ में कथा सुनाकर बच्चों का मार्गदर्शन किया। वरिष्ठ आचार्य विनोद ताम्रकार ने सनातन परंपरा में नाग पूजा के महत्व व प्रकृति संरक्षण के संदेश पर प्रकाश डाला।

शिव परिवार की वेशभूषा में सजे नन्हे बच्चे

प्राथमिक विभाग में भी नागपंचमी का उत्सव अत्यंत आकर्षक ढंग से मनाया गया। नन्हे-मुन्ने भैया-बहन भगवान शिव, माता पार्वती, श्री गणेश, श्री कार्तिकेय, नागदेवता, मयूर और नंदी सहित संपूर्ण शिव परिवार के रूप में सज-धज कर पहुंचे। बच्चों ने इस अवसर पर सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व नृत्य भी प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का सफल संचालन स्मृति पांडे ने किया। प्राथमिक विभाग के प्रधानाचार्य जागेश्वर लाल निषाद ने सभी को नागपंचमी की शुभकामनाएं दीं। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त आचार्यों एवं दीदियों का सराहनीय योगदान रहा।

तिलईरवार में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

तिलईरवार (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलईरवार में बड़े ही धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

आजादी के 80 वीं वर्षगांठ पूरा होने पर बड़े ही उत्साह पूर्वक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब अंबेडकर, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण, पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन कर जन गण मन सहित वंदे मातरम गीत के साथ झंडारोहण किया गया एवं तिरंगे झंडे को सलामी देते हुए वीर शहीदों को नमन करते हुए देश प्रेम व राष्ट्रभक्ति से संबंधित बातों को बताया गया। तत्पश्चात गांव में बड़े ही धूमधाम से प्रभात फेरी निकाला गया।

इस दौरान बच्चों द्वारा झांकी स्वरूप कोई भारत मां, छत्तीसगढ़ महतारी, भगत सिंह, गांधी जी आदि वेशभूषा में तैयार होकर रैली में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के समस्त स्टॉफ सदस्यों जिसमें प्राचार्य विजय कुमारन अय्यर, अशीम कुमार यदु, थंगेश्वर कुमार साहू, अनुराधा ढोक, रेखा मुरकुटे, रीचा चंद्राकर, हेमीन ठाकुर, जानकी वल्लभ तंबोली, राजेश कुमार नेताम, पालक राम वर्मा, नोहर दास लिलहारे, जितेंद्र कुमार कश्यप, हरिचंद यादव, आशीष मसीह, दानेश्वर साहू, सभी छात्र-छात्राओं एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष रेशम लाल पटेल, पूर्व अध्यक्ष मोरध्वज चंद्रवंशी, चंद्रकुमार साहू पूर्व सरपंच, प्रकाश सूर्यवंशी एवं सभी सदस्यगण, ग्राम सरपंच श्रीमती नंदिका कुंजाम, उप सरपंच राजकुमार साहू सभी पंचगण, निर्मला शांडिल्य, दिग्विजय शांडिल्य, कांतिबाई चंद्रवंशी जनपद सदस्य एवं आंगनबाड़ी, मितानिन बहनें एवं गांव के सभी गणमान्य नागरिक बड़े ही उत्साह पूर्वक इस राष्ट्रीय पर्व में अपनी उपस्थिति एवं सहभागिता दिए। कार्यक्रम का संचालन थंगेश्वर कुमार साहू व्याख्याता के द्वारा किया गया। एवं आभार प्रदर्शन अशीम कुमार यदु के द्वारा किया गया।

नागपंचमी पर एक्सपर्ट जिम में बॉडीबिल्डिंग, पावर लिफ्टिंग व वेटलिफ्टिंग प्रदर्शन : 60 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राजनांदगांव में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षण संस्थान खोलने की योजना : दीपक नवलखा

राजनांदगांव (दावा)। नागपंचमी के पावन अवसर पर स्थानीय नंदई चौक स्थित एक्सपर्ट जिम में पारंपरिक पूजन एवं भव्य खेल प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिम में नियमित अभ्यास करने वाले 60 खिलाड़ियों ने बॉडीबिल्डिंग, पावरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग में अपने उत्कृष्ट कौशल व अनुशासन का परिचय दिया। समारोह में मुख्य अतिथि लायंस क्लब अध्यक्ष दीपक नवलखा, अध्यक्ष के रूप में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र उदय मुदलियार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष नारायण कन्नौजे, डॉ. चेतन साहू, डॉ. रोहन सोनकर, वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार, पार्षद अरुण साहू, शैलेंद्र सिंह बंधे, दशरथलाल बरैय्या एवं जिम समिति संरक्षक मनीष गौतम उपस्थित रहे।

हॉकी के साथ अब आयरन खेलों में भी नाम कमा रहा शहर

मुख्य अतिथि दीपक नवलखा ने कहा कि राजनांदगांव हॉकी और झांकी के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन अब वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव जैसी प्रतिभाओं ने शहर को आयरन खेलों के राष्ट्रीय पटल पर स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि शहर में शीघ्र ही वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षण संस्थान खोलने की योजना पर कार्य चल रहा है। अध्यक्षता कर रहे जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि खेल नगरी के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन कर रहे हैं और वे हमेशा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर जिम समिति के संरक्षक व पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनीष गौतम का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया।

खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

राष्ट्रीय बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महेंद्र यदु, गोविंद निषाद, सुजल यादव, निशांत उमरे, तुषार सोरी और कृष्णा सिन्हा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पावरलिफ्टिंग में समीर, सूरज, विक्की, कोमल, सत्यम, साई वीर, लक्की, बलदाऊ, प्रज्ञा, लता, पल्लवी, देविका, रितिका व प्रिया; वेटलिफ्टिंग में आयुषी, श्रेय, अनुज, मेघा व कुणाल; तथा बॉडीबिल्डिंग में गोविंद, हर्ष, तुषार, हुकुम, जतिन, तोरण, जय, प्रथम, पीयूष, सिद्धार्थ, खेमचंद, निशांत व अनुज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट, ट्रॉफी व उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव संदीप सोनी, संतोष साहू, तानिया बंजारे, राज खरे, संजय यादव, लक्ष्य कोर्राम, भूमि सिंह और एकता बंजारे का सराहनीय योगदान रहा। यह जानकारी एक्सपर्ट जिम समिति के अध्यक्ष तामेश्वर बंजारे एवं सचिव संदीप सोनी ने दी।

शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मारगांव एवं दीवानभेड़ी में नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 27 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित की गई है। नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु इच्छुक एवं पात्र जिले में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस), प्राथमिक कृषि शाख समिति, वन सुरक्षा समिति, महिला स्वसहायता समूह, अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ विहित प्रारूप एक में आवेदन पत्र कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रत्येक शासकीय उचित मूल्य दुकान के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत करना होगा। शासकीय उचित मूल्य दुकान आबंटन की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के तहत की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान व व्यापक वृक्षारोपण आयोजित

डोंगरगढ़ (दावा)। स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर ग्राम राका में शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण व राष्ट्रगान के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा कक्षा 5वी, 8 वी, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में ग्राम स्तर में श्रेष्ठ अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मान समारोह के उपरांत विद्यालय परिसर में फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों ने इन पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शनः वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने पर अपने विचार व्यक्त किए। गरिमापूर्ण उपस्थिति कार्यक्रम में ग्राम सरपंच, उपसरपंच, समस्त पंचगण, गांव के वरिष्ठजन तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आए हुए सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन योगेश नेताम ने किया।

साल्हेवारा सहित वनांचल क्षेत्र में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

साल्हेवारा (दावा)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज 15 अगस्त को साल्हेवारा सहित संपूर्ण वनांचल क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

साल्हेवारा में आत्मानंद हिंदी-अंग्रेजी उच्चतर माध्यमिक शाला, ग्राम पंचायत, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, वन विभाग, बस स्टैंड, तहसील कार्यालय, रेस्ट हाउस, पीडब्लूएच, पुलिस थाना, आयुर्वेदिक चिकित्सालय सहित समस्त शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी संस्थानों में गरिमापूर्ण ढंग से ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी देकर देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संकल्प लिया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत कुम्हरवाड़ा, बकरकट्टा, आमगांव, जामगांव, गेरुखदान, तेंदूभाटा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न शासकीय-अर्धशासकीय संस्थानों, पुलिस थाना बकरकट्टा एवं सोसायटियों में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनेक स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों, देशभक्ति गीतों एवं विविध आयोजनों से स्वतंत्रता दिवस की धूम देखने को मिली।

वंदे मातरम् के अपमान के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा का जोरदार प्रदर्शन

मोहला (दावा)। वंदे मातरम् के अपमान के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा विशाल रैली निकालकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगीत के सम्मान और देशभक्ति की भावना के समर्थन में नारे लगाते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप वर्मा, युवा मोर्चा जिला प्रभारी समीर श्रीवास्तव, जिला प्रभारी राजू टाडिया, जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

साहित्य समिति द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर झंडावंदन कर किया पौधारोपण

राजनांदगांव (दावा)। आजादी की 80 वीं वर्षगांठ पर साहित्य सृजन समिति के द्वारा श्री जलाराम फार्म लिटिया में तिरंगा फहरा कर नीम करंज पीपल आदि पौधों का रोपण किया गया।

इस दौरान साहित्य समिति के संरक्षक व छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक आत्माराम कोशा व समिति के वरिष्ठ कवि गिरीश ठक्कर 'स्वर्गीय' के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेहरू, नेताजी सुभाष बोस, वल्लभ भाई पटेल सहित स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले लाल बाल पाल और शहीद भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद राम प्रसाद बिस्मिल, असफाक उल्ला आदि को याद करते हुए धरती को हरा-भरा रखने नीम पीपल व आम करंज आदि के हवादार फलदार पौधे रोपे गए। झंडा वंदन व पौधरोपण के दौरान राष्ट्र गीत वंदे मातरम सहित संग आजादी के 'मेरा रंग दे बसंती चोला', आदि तराने फिजाओं में गूंजती रही।

बता दें कि साहित्य समिति समिति के संरक्षक व किसान नेता अशोक चौधरी का जन्म दिवस 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन ही है। श्री कोशा व ठक्कर द्वारा श्री चौधरी के नाम पर एक हवादार पौधरोपण कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। हास्य-व्यंग्य के कवि श्री ठक्कर पिछले कई अर्से से पर्यावरण शुद्धि के काम में लगे हुए हैं और खासकर श्रावण के महिने में अपने जलाराम फ्यूल के आसपास में हरीतिमा बिखरने फलदार हवादार पौधों का रोपण करवा चुके हैं वह पौधे अब बड़े होकर वातावरण में हरियाली बिखेर रहे हैं।

सराफा दुकान में लाखों की चोरी का खुलासा : अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

छुईखदान/खैरागढ़ (दावा)। केसीजी (खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) जिला पुलिस ने शहीद नगरी छुईखदान स्थित सराफा दुकान में हुई लाखों रुपये के जेवरात की सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश करते हुए अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और वारदात में प्रयुक्त होंडा एक्टिवा सहित लगभग 44.75 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है।

शटर तोड़कर दिया था वारदात को अंजाम

मामले का विवरण देते हुए पुलिस ने बताया कि छुईखदान नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं सराफा व्यवसायी शांति लाल जैन (75 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 8, जैन मोहल्ला छुईखदान) की दुकान का शटर तोड़कर शनिवार 14 अगस्त की अलसुबह 3 से 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए थे। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना छुईखदान में अपराध क्रमांक 296/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई थी।

नागपुर और स्थानीय गिरोह की मिलीभगत

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी व मुखबिर सूचना के आधार पर दबिश देकर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया। जिसमें महेंद्र साहू (26 वर्ष), पिता कुंवरसिंह साहू, निवासी छुईखदान, अक्षय गुरुवे (21 वर्ष), पिता श्यामसुंदर गुरुवे, निवासी नागपुर व अनिकेत मेश्राम (25 वर्ष), पिता शेखर मेश्राम, निवासी नागपुर को गिरफ्तार किया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर 19 अगस्त को तीनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन सभी को जेल भेज दिया गया।

पूर्व ब्रांच मैनेजर ने फर्म को लगाई 11 लाख से अधिक की चपत, गिरफ्तार होकर पहुंचा जेल

महिला के खाते से 3.12 लाख की ऑनलाइन ठगी करने वाला आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाया

राजनांदगांव (दावा)। ट्रैक्टर बिक्री की रकम फर्म के खाते में जमा न कर लाखों रुपये का गबन करने वाले पूर्व ब्रांच मैनेजर को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं एक अन्य मामले में, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की खड़गांव पुलिस ने महिला के बैंक खाते से सवा तीन लाख रुपये पार करने वाले अंतरराज्यीय ठग को पश्चिम बंगाल से दबोचने में सफलता पाई है।

व्हाइटनर लगाकर लेजर में की थी छेड़छाड़

अरुण एग्रीकल्चर फर्म के संचालक संतोष अग्रवाल की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने इंदिरा नगर (वृंदावन कॉलोनी) निवासी पूर्व ब्रांच मैनेजर कुमुद उपाध्याय के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(5) के तहत अपराध दर्ज किया था। फर्म के रिटेल मैनेजर नरिंदर साहनी द्वारा की गई आंतरिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने ट्रैक्टर व कृषि उपकरणों की बिक्री से मिले लगभग 14.91 लाख फर्म के खाते में जमा नहीं कराए। हिसाब छिपाने के लिए उसने 31 मार्च 2025 के लेजर रिकॉर्ड में व्हाइटनर लगाकर हेरफेर किया था। आंतरिक खुलासे के बाद आरोपी ने कुछ राशि लौटाई, किंतु लगभग 11.07 लाख का गबन बाकी रहा। कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह के नेतृत्व में पुलिस ने वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

ऑनलाइन ठगी का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

इधर, एमएमसी जिले के खड़गांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांको निवासी सुनीता निषाद (52 वर्ष) के छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक खाते से अज्ञात ठगों ने ऑनलाइन माध्यम से 3,12,349 पार कर दिए थे। एसपी वाई.पी. सिंह के निर्देशन में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए टीटागढ़ (थाना खरदा, जिला उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल) में दबिश दी। पुलिस ने मुख्य आरोपी कृष्णा चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मामले से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

चांदी का डल्ला चोरी करने वाला आरोपी बसंतपुर पुलिस की गिरफ्त में, भेजा जेल

रायपुर जेल में दुष्कर्म के मामले में बंद था आरोपी, प्रोडक्शन वारंट पर लाकर की गई बरामदगी

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर थाना पुलिस ने अनुपम नगर में हुई चांदी के डल्ले की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया चांदी का डल्ला बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन ने बताया कि प्रार्थी अमित सोनी (निवासी अनुपम नगर, राजनांदगांव) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 4 अप्रैल को रायपुर निवासी आशीष पात्रो (37 वर्ष, पिता गणेश पात्रो, निवासी शांति नगर, एकता हॉस्पिटल के पास, मधु चौक रायपुर) उसके घर मिलने आया था। प्रार्थी जब बाथरूम गया, उसी दौरान आरोपी ने कमरे में रखे बैग से चांदी का डल्ला चोरी कर लिया और फरार हो गया। प्रार्थी की शिकायत पर बसंतपुर पुलिस ने अपराध क्रमांक 338/2026, धारा 303(2) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।

रूपकुमारी चौधरी के भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष बनने पर राजनांदगांव में जश्न, बांटी मिठाई

राजनांदगांव (दावा)। श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर राजनांदगांव जिले में उत्साह की लहर दौड़ गई। इस उपलक्ष्य में भाजपा जिला महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष पुष्पा गायकवाड़ के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्रीमती चौधरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी, साथ ही पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी और अधिक सशक्त होगी। इस खुशी के मौके पर राजधानी संपदा अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू, मिथिलेश्वरी वैष्णव, मीना यादव, संगीता मिश्रा, आभा श्रीवास्तव, महेश्वरी साहू, शैल यादव, मधु, जमुना साहू, प्रेम सोनकर, करुणा राजपूत, तुईसा बंदेल, अनीता सिन्हा, प्रीति साहू, चंद्रिका साहू और मंजू रानी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

सीबीएसई विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं से वंचित करना अन्यायपूर्ण : विपिन यादव

प्रदेश के 600 से अधिक स्कूलों के छात्रों को शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में समान अवसर देने की मांग, विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा पत्र

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के सीबीएसई विद्यालयों में अध्ययनरत प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से वंचित किए जाने का मामला गरमा गया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव ने इस मुद्दे को उठाते हुए विधानसभा अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक डॉ. रमन सिंह को पत्र सौंपकर समस्या के त्वरित समाधान की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने सर्किट हाउस में महापौर मधुसूदन यादव से भी मुलाकात कर सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया।

पृथक इकाई के नाम पर बाहर रखना अनुचित

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी अनीस खान ने बताया कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा सीबीएसई के लिए पृथक इकाई को मान्यता दिए जाने के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं से सीबीएसई छात्रों को बाहर रखा जा रहा है। इसका सीधा असर प्रदेश के 600 से अधिक सीबीएसई स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर पड़ रहा है।

खेल प्रतिभा बोर्ड की मोहताज नहीं : यादव

जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि केवल शिक्षा बोर्ड अलग होने के आधार पर किसी भी खिलाड़ी को खेल के अवसरों से वंचित करना न्यायसंगत नहीं है। सीबीएसई स्कूलों के कई खिलाड़ी विभिन्न स्तरों पर अपनी प्रतिभा साबित कर चुके हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगामी प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों का चयन प्रस्तावित है, इसलिए समय रहते निर्णय लिया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शासन व संबंधित खेल विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर सीबीएसई विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में शामिल करने की मांग की है, ताकि किसी भी होनहार खिलाड़ी का भविष्य प्रभावित न हो।

सोलर प्लांट लगने से निगम का सालाना 12 करोड़ का बिजली बिल होगा शून्य : मधुसूदन

मोहड़ में 8 मेगावाट सोलर प्लांट स्थापना के लिए महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत नगर निगम राजनांदगांव ने अपने बिजली बिल को शून्य करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम के कार्यालयों, स्ट्रीट लाइटों और मोहारा फिल्टर प्लांट पर होने वाले भारी-भरकम बिजली खर्च से मुक्ति पाने के लिए ग्राम मोहड़ में 8 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए महापौर मधुसूदन यादव ने नगर निगम और क्रेडा के अधिकारियों के साथ मोहड़ स्थित प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण किया।

सालाना 12 करोड़ के वित्तीय भार से मिलेगी मुक्ति

महापौर मधुसूदन यादव ने बताया कि नगर निगम को मोहारा फिल्टर प्लांट, स्ट्रीट लाइट और विभिन्न कार्यालय भवनों के बिजली बिल मद में प्रतिमाह लगभग 1 करोड़ रुपये (वार्षिक 12 करोड़ रुपये) का भुगतान करना पड़ता है। इसके कारण निगम को कर्मचारियों के वेतन भुगतान सहित अन्य विकास कार्यों में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के समक्ष सोलर प्लांट स्थापना की मांग रखी गई थी। उनकी सहमति व घोषणा के अनुरूप निगम एवं क्रेडा के अधिकारियों के साथ मिलकर 8 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रस्ताव को तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जा रहा है तथा 6 माह के भीतर प्लांट स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राजगामी संपदा की भूमि आबंटन के लिए कलेक्टर को भेजा पत्र

नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने बताया कि ग्राम मोहड़ में राजगामी संपदा के स्वामित्व वाली भूमि की मांग हेतु कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया गया है। भूमि स्वीकृति के उपरांत निर्धारित राशि जमा कर आबंटन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद शासन से अनुदान प्राप्त कर संयंत्र स्थापना का कार्य तेजी से शुरू होगा। स्थल निरीक्षण के दौरान महापौर व आयुक्त के साथ लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती, पार्षद संजय रजक, निगम के कार्यपालन अभियंता दीपक खांडे, यू.के. रामटेके, क्रेडा के कार्यपालन अभियंता संतोष कुमार एवं कनिष्ठ अभियंता मेघराज साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज से युगांतर कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

राजनांदगांव (दावा)। युगांतर कप फुटबॉल टूर्नामेंट का लीग कम नाक आउट मुकाबला आज 20 अगस्त से दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। आज टूर्नामेंट के दो महत्त्वपूर्ण मैच खेले जाएंगे। पहला युगांतर और जेएमजे स्कूल तथा दूसरा मैच एनपीएस और गुरूनानक स्कूल के मध्य होगा। विद्यालय के पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह व खेल शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस टूर्नामेंट के आयोजन से फुटबॉल प्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। इस दौरान लगभग 12 स्कूलों की टीमें युगांतर कॉप के लिए भिड़ेंगी। विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर तथा प्रबंध समिति ने इस टूर्नामेंट की सफलता की कामना की है।

अग्निवीर लिखित परीक्षा उत्तीर्ण युवाओं को मिलेगा निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय थलसेना द्वारा अग्निवीर भर्ती के लिए जून 2026 में आयोजित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण दिया जाएगा। निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी रोजगार विभाग की वेबसाईट के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक : नामांतरण व नक्शा बटांकन में तेजी लाने के निर्देश, 20 दिनों में स्वामित्व योजना पूर्ण करने का अल्टीमेटम

० कम प्रगति वाली तहसीलों पर जताई नाराजगी, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने पर सख्त रुख
० स्वामित्व योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए तहसीलदार नीलकंठ जनबंधु सहित नायब तहसीलदार सम्मानित व प्रशंसित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में राजस्व कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के साथ ही प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए सर्वे कार्य को सही एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने कहा। उन्होंने नक्शा बटांकन कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। कम प्रगति वाली तहसीलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की और कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समयावधि में लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वामित्व योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 20 दिवस में योजना के तहत शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में अब तक कुल 352 ग्रामों के अधिकार अभिलेख तैयार किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने शेष ग्रामों में अधिकार अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर लाल बहादुर नगर तहसीलदार नीलकंठ जनबंधु, डोंगरगढ़ नायब तहसीलदार श्रीमती झरना राजपूत एवं श्री चिराग रामटेके के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का अधिकार अभिलेख प्राप्त होगा और इससे संपत्ति संबंधी विवादों के निराकरण में भी सहायता मिलेगी।

कलेक्टर ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अतिक्रमण के मामलों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निराकरण सुनिश्चित करने कहा। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने, अनावश्यक विलंब से बचने तथा राजस्व कार्यों की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, नजूल अधिकारी प्रकाश टंडन सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

आयुक्त मरकाम व यातायात प्रभारी ने गोल बाजार और फल मार्केट का किया पैदल निरीक्षण

दुकानों के बाहर व नालियों पर रखा सामान कराया गया अंदर, अतिक्रमण न करने की दी गई समझाईश

राजनांदगांव (दावा)। बारिश के मौसम में समुचित जल निकासी, सुगम आवागमन और बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम और यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप ने अमले के साथ गोल बाजार, राजगामी संपदा कार्यालय क्षेत्र एवं फल मार्केट का पैदल भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया।

सड़क और नाली से हटाया गया अतिक्रमण

निरीक्षण के दौरान आयुक्त व यातायात प्रभारी ने दुकानदारों को दुकानों के बाहर, सड़कों और नालियों के ऊपर फैलाए गए सामान को तत्काल हटाने की समझाइश दी। अधिकारियों की मौजूदगी में दुकानदारों ने स्वतः ही सड़क व नाली से सामान हटाकर दुकानों के भीतर किया। साथ ही, राजगामी कार्यालय के चारों ओर सड़क घेरकर लगाए गए अस्थायी पसरा व सामान को भी हटवाया गया।

जलभराव व ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

उल्लेखनीय है कि शहर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों—गोल बाजार, फल मार्केट, सिनेमा लाइन, हलवाई लाइन, सदर लाइन, गुड़ाखू लाइन, कामठी लाइन और जूनी हटरी में दुकानदारों द्वारा बाहर सामान रखने व लटकाने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है और पार्किंग में भारी असुविधा होती है। इसके अलावा नालियों पर सामान रखने से बारिश का पानी अवरुद्ध हो जाता है।

स्वच्छ व सुव्यवस्थित शहर के लिए मांगा सहयोग

आयुक्त जी.आर. मरकाम ने व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि सड़क पर सामान फैलाने से ग्राहकों के आवागमन व पार्किंग में समस्या आती है, जिससे स्वयं उनका व्यापार भी प्रभावित होता है। उन्होंने शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए व्यापारियों से निरंतर सहयोग की अपील की। समझाइश के बाद व्यापारियों ने व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com